27 जुलाई 2025
रविवार

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण

सरकारी अस्पतालों में डॉक्टरों की सुरक्षा को लेकर उठी आवाज, काला बिल्ला लगाकर विरोध

2

प्रमुख खबरें : दिल्ली ■ पटना ■ बक्सर ■ शाहाबाद ■ मगध **आपकी आवाज** ■ सारण ■ मिथिलांचल ■ चंपारण ■ पूर्वांचल ■ लखनऊ

चिराग का मन अगर विचलित हो रहा है तो उसका उपाए हमारे पास नहीं

केटी न्यूज/पटना

♦ चिराग पासवान के बयान पर जीतन राम मांझी ने किया पलटवार

लोजपा (रामविलास) के चीफ चिराग पासवान के बयान से विधानसभा चुनाव से पहले एनडीए में घमासान बढ़ता दिख रहा है। चिराग पासवान ने पटना में कहा कि बिहार सरकार को समर्थन कर दुख होता है। चिराग के इस बयान पर जीतन राम मांझी ने पलटवार किया और उन्हें राजनीतिक रूप से नासमझ बता दिया वहीं जेडीयू ने कहा कि चिराग पासवान का अगर मन विचलित हो रहा है तो उसका उपाए हमारे पास नहीं है। उधर, बीजेपी ने इस घमासान पर चुप्पी साध रखी है।

दरअसल, बिहार में बढ़ते अपराध को लेकर एक बार फिर से चिराग पासवान ने अपनी सरकार को कटघरे में खड़ा कर दिया है। इस बार तो चिराग पासवान ने ऐसी बात कह दी है, जो सीधे-सीधे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर बड़ा हमला माना जा रहा है। चिराग ने पटना में कहा कि उन्हें दुख है कि बिहार में उन्हें ऐसी सरकार का समर्थन करना पड़ रहा है जो अपराध पर अंकुश लगाने में विफल साबित हो रही है।

रामविलास पासवान की राजनीति बड़ी थी: बिहार में कानून-व्यवस्था को लेकर चिराग पासवान द्वारा दिए गए बयान पर हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा के संरक्षक और पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी ने करारा पलटवार किया है। उन्होंने चिराग पर तंज कसते हुए कहा कि चिराग की राजनीति अभी बहुत छोटी है, उनके पिता रामविलास पासवान की राजनीति बड़ी थी। मांझी ने कहा कि चिराग पासवान को अभी राजनीति का अनुभव नहीं है। वे बहुत कम समय से राजनीति में हैं और बिना पूरी जानकारी के बयानबाजी कर रहे हैं। उन्होंने बिहार में कानून-व्यवस्था को लेकर चिराग की टिप्पणी को खारिज करते हुए कहा कि आज की स्थिति 2005 से पहले जैसी नहीं है। तब अपराधी अपराध करने के बाद मुख्यमंत्री आवास तक पहुंच जाते थे। आज हालात काफी बेहतर हैं। मांझी ने यह भी जोड़ा कि पहले अपराधियों से समझौता होता था और उन्हें छोड़ दिया जाता था, लेकिन अब वैसी स्थिति नहीं रही। उन्होंने 2020 के विधानसभा चुनाव की याद दिलाते हुए कहा कि तब भी चिराग पासवान ने एनडीए को नुकसान पहुंचाने की कवायद की थी।

किसी को कोई रोक नहीं रहा है: उधर, चिराग पासवान के बयान पर जेडीयू गरम हो गई है। जेडीयू ने स्पष्ट तौर पर तो कुछ नहीं कहा लेकिन इशारों ही इशारों में चिराग के बयान को लेकर आपत्ति जताई है। जेडीयू के मुख्य प्रवक्ता नीरज कुमार ने कहा है कि पीड़ित आत्मा को कोई मदद नहीं कर सकता है और बेचैन आत्मा को आजतक कोई मदद किया है क्या? आत्मा पीड़ित है और दुख हो रहा है तो जहां सुख मिलता हो चले जाएं, किसी को कोई रोक नहीं रहा है। चिराग पासवान अपनी सीमा में रहें सीमा से अधिक बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। नीरज ने कहा कि चिराग पासवान को बिहार पुलिस के इकबाल पर भरोसा नहीं है क्या? जब बिहार पुलिस पर सवाल उठाते हैं तो ऐसे लोगों को बिहार पुलिस की सुरक्षा भी नहीं लेनी चाहिए।

महुआ विधानसभा सीट से निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर चुनाव लड़ेंगे तेज प्रताप यादव

केटी न्यूज/पटना

बिहार के पूर्व मंत्री और आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव ने आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि इस बार वे महुआ विधानसभा सीट से निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर चुनाव लड़ेंगे। तेज प्रताप ने बताया कि उन्होंने 'टीम तेज प्रताप यादव' नाम से एक ओपन प्लेटफॉर्म तैयार किया है, जो कोई राजनीतिक पार्टी नहीं, बल्कि एक सामाजिक मंच है। इसका उद्देश्य सभी वर्गों, खासकर युवाओं को जोड़ना और उन्हें प्रतिनिधित्व देना है।

उन्होंने कहा कि हमारा दरवाजा सबके लिए खुला है। हालांकि, तेज प्रताप ने यह भी स्पष्ट किया कि फिलहाल किसी नई पार्टी की लॉन्चिंग की योजना नहीं है। उनका कहना है कि वे महुआ को लेकर भावनात्मक रूप से जुड़े हुए हैं और महुआ को हम जिला बनाएंगे, यह हमारी कर्मभूमि है। उन्होंने कहा कि अगर आरजेडी ने किसी और को टिकट दिया, तो जनता उसे हराने का काम करेगी। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि तेज प्रताप का यह कदम न सिर्फ आरजेडी के लिए नई चुनौती बन सकती है, बल्कि महुआ सीट पर दिलचस्प मुकाबले की भी नींव रखता है।

बिहार में सात दिनों में 97 हत्याएं, राज्य सरकार पर भड़के नेता प्रतिपक्ष

सरकार बीमार, अपराधियों की बहार

♦ तेजस्वी ने पीएम व सरकार पर बोला हमला, सोशल मीडिया पर निकाली भड़ास

केटी न्यूज/पटना

बिहार में बढ़ते अपराध को लेकर एक तरफ जहां विपक्ष सरकार पर हमलावर है तो वहीं दूसरी तरह सरकार के सहयोगी दल भी अपनी ही सरकार पर सवाल उठा रहे हैं। सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल चुके तेजस्वी यादव ने पिछले सात दिन में 97 हत्या का जिक्र कर एक बार फिर से अपराध को लेकर नीतीश सरकार को घेरने की कोशिश की है। तेजस्वी यादव ने एक्स पर लिखा कि बिहार में सात दिन में 97 हत्याएं।

प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री और दो-दो उपमुख्यमंत्री सब बेकार, अपराधी ही असल सरकार। समस्तीपुर में कैदी की हत्या सारण में कारोबारी की हत्या समस्तीपुर में सरपंच की हत्या बेगूसराय में व्यवसायी की हत्या छुट्टी आए आईटीबीपी जवान की हत्या मुजफ्फरपुर में कारोबारी की हत्या गया में बुजुर्ग का अपहरण कर हत्या पटना में महिला की गोली मारकर हत्या दो सगे भाइयों पर गोलियों की बौछार, एक की हत्या, बिहार में अपराधियों की बहार है क्योंकि सरकार बीमार है।

उधर, एनडीए में शामिल लोजरपा (रामविलास) के चीफ और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने भी बिहार में बढ़ते अपराध के लिए सरकार को सीधे तौर पर जिम्मेवार ठहराया। उन्होंने कहा कि उन्हें दुख होता है कि बिहार में उन्हें सरकार का समर्थन करना पड़ता है। चिराग के इस बयान पर जेडीयू ने पलटवार किया और कहा कि अगर चिराग पासवान को दुख हो रहा है तो वह वहां चले जाए, जहां सुख मिले।

इसे आप राक्षस राज कहेंगे या मोदी-नीतीश का कुशासन: बिहार के गया जिले में होमगार्ड बहाली के लिए आई एक युवती के साथ दर्दनाक घटना सामने आई है। बताया जा रहा है कि युवती भर्ती प्रक्रिया के दौरान बेहोश होकर गिर पड़ी, जिसके बाद उसे इलाज के लिए प्रशासन द्वारा बुलाए गए एम्बुलेंस से अस्पताल भेजा गया। लेकिन रास्ते में एम्बुलेंस कर्मियों ने ही उसके साथ गैंगरेप कर दिया। इस घटना ने एक बार फिर बिहार में महिला सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। विपक्षी दलों ने इस मुद्दे को लेकर सरकार को घेरना शुरू कर दिया है। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर पीएम नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को सीधे तौर पर आड़े हाथों लिया।

उन्होंने लिखा कि गया जी में होमगार्ड की बहाली में भाग लेने आई एक बेटी बेहोश होकर गिरी और उसी बेहोशी की हालत में प्रशासन द्वारा बुलाई गई एम्बुलेंस में ही उसके साथ गैंगरेप किया गया। बिहार में इसे आप राक्षस राज कहेंगे? दुराचारी महाजंगल राज कहेंगे या फिर मोदी-नीतीश का कुशासन कहेंगे?

ऐसे ज्वलंत मामलों पर चुप्पी आपराधिक है: तेजस्वी ने आगे लिखा कि मुख्यमंत्री और उनके दो कथित डिप्टी की ऐसे ज्वलंत मामलों पर चुप्पी आपराधिक है। यदि इस घटना पर भी तथाकथित प्रबुद्ध और न्यायप्रिय लोगों का खून नहीं खौलता, तो यह उनके घोर जातिवादी और पक्षपाती चरित्र को दशार्ता है। तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार में कानून व्यवस्था चरमरा चुकी है। अपराधी मस्त हैं, आम जनता डरी हुई है, अफसरशाही हावी है और पुलिस शराब पकड़ने में व्यस्त है जबकि अपराधी खुलेआम वारदातों को अंजाम दे रहे हैं। उन्होंने याद दिलाया कि एक समय था जब वे रोज क्राइम बुलेटिन जारी करते थे और आज भी स्थिति वैसी ही बनी हुई है।

बिहार विधानसभा चुनाव से पहले राजद ने की राष्ट्रीय पदाधिकारियों की घोषणा

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले आरजेडी ने अपने राष्ट्रीय पदाधिकारियों की घोषणा कर दी है। आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव की नई टीम में चार राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाए गए हैं। पार्टी सुप्रीमो लालू यादव की पत्नी पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी को पार्टी का राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया गया है। वहीं पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह भी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाए गए हैं। इसके अलावा महबूब अली कैसर और उदय नारायण चौधरी पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाए गए हैं। लालू प्रसाद ने अपनी टीम में जातीय समीकरण को साधने की कोशिश की है। चार राष्ट्रीय उपाध्यक्ष में एक लालू परिवार से यानी यादव जाति से, दूसरा सवर्ण (राजपूत) से और तीसरा मुसलमान और चौथा दलित समाज से है। अब्दुल बारी सिद्दीकी पार्टी के राष्ट्रीय प्रधान महासचिव बनाए गए हैं। सुनील कुमार सिंह एक बार फिर पार्टी के कोषाध्यक्ष होंगे वहीं राष्ट्रीय टीम में 12 राष्ट्रीय महासचिव और 10 सचिव भी बनाए गए हैं।

नीमच से नंदुरबार के लिए 380 किमी लंबी नई रेल लाइन के फाइनल सर्वेक्षण की मिली स्वीकृति

एजेंसी/नई दिल्ली

अगर रेलवे की ओर से किया गया प्लान सक्सेस रहा तो शीघ्र ही राजस्थान के आदिवासी बाहुल्य बांसवाड़ा जिले को रेलवे की ओर से वह सौगात मिल जाएगी, जिसका लोग दशकों से इंतजार कर रहे थे। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बांसवाड़ा को भारतीय रेल के नक्शे पर लाने की कवायद को अमलीजामा पहनाने की दिशा में एक बड़ा कदम बढ़ाते हुए नीमच-बांसवाड़ा-दाहोद-नंदुरबार के लिए 380 किलोमीटर लंबी नई रेल लाइन के फाइनल सर्वेक्षण की स्वीकृति दे दी है।

जानकारी देते हुए उत्तरी पश्चिमी रेलवे मंडल के सीपीआरओ ने बताया कि यह केवल एक रेल लाइन नहीं, बल्कि पूरे आदिवासी अंचल के लिए सामाजिक और आर्थिक बदलाव की मजबूत कड़ी बनने जा रही है।

दिल्ली-मुंबई रेल सफर का नया और सबसे छोटा रूट : सीपीआरओ ने बताया कि इस नई लाइन से बांसवाड़ा न केवल भारतीय रेल नेटवर्क से जुड़ेगा, बल्कि दिल्ली से मुंबई जाने वाली रेलगाड़ियों के लिए भी एक छोटा, सीधा और सुविधाजनक रूट तैयार होगा। यह मार्ग

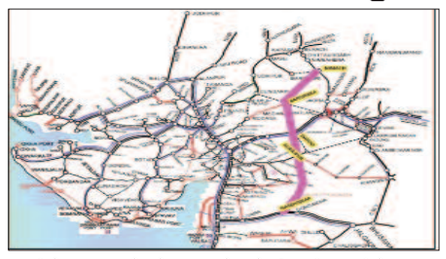

ताप्ती रेल खंड से होकर दाहोद में दिल्ली-मुंबई मेन रूट से जुड़ेगा, जिससे सफर भी कम होगा और समय की बचत भी। राजस्थान के साथ-साथ मध्य प्रदेश और गुजरात के छह बड़े शहर इस रूट से सीधे लाभान्वित होंगे। बांसवाड़ा का इलाका खनिज संपदा से भरा पड़ा है। यहां मैंगनीज अयस्क, डोलोमाइट, चूना पत्थर, सोना, तांबा जैसे खजाने जमीन के नीचे दबे हैं। अब रेल मार्ग बनने के बाद इन खनिजों की माल ढुलाई सुगमता से हो सकेगी, जिससे क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को जबरदस्त बल मिलेगा। इतना ही नहीं, बांसवाड़ा की खूबसूरत पहाड़ियां, जंगल और लोक संस्कृति यहां के पर्यटन को नई उड़ान देंगी। रेललाइन बनने से देशभर से पर्यटक यहां पहुंच पाएंगे।

मालदीव के स्वतंत्रता दिवस में चीफ गेस्ट बने पीएम मोदी

एजेंसी/नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो दिवसीय दौरे पर मालदीव में हैं। शनिवार उनके दौरे का आखिरी दिन रहा। मालदीव के स्वतंत्रता दिवस समारोह में भारत के प्रधानमंत्री ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की।

राजधानी माले के प्रतिष्ठित रिपब्लिक स्क्वायर में उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया। समारोह के दौरान प्रधानमंत्री मोदी मालदीव के राष्ट्रपति डॉ. मोहम्मद मुइज्जू के साथ खड़े दिखे। प्रधानमंत्री

मोदी ने अपने दो दिवसीय दौरे के दौरान कई नेताओं से मुलाकात की है, जिसमें उपराष्ट्रपति उज हुसैन मोहम्मद लतीफ और पूर्व राष्ट्रपति मोहम्मद नशीद भी शामिल हैं। उपराष्ट्रपति लतीफ और प्रधानमंत्री मोदी के बीच बुनियादी ढांचे, तकनीक और ऊर्जा जैसे प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग पर चर्चा की गई।

प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि हमारे देश बुनियादी ढांचे, तकनीक, जलवायु परिवर्तन, ऊर्जा और अन्य क्षेत्रों में मिलकर काम कर रहे हैं। यह हमारे लोगों के लिए काफी फायदेमंद है। हम इस साझेदारी को आगे और मजबूत करना चाहते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने मालदीव की स्वतंत्रता की 60वीं वर्षगांठ पर शुभकामनाएं दीं।

धर्मांतरण सिंडिकेट का खुलासा: शाहजहांपुर में लालच द बना रहे थे ईसाई, तीन आरोपी गिरफ्तार

एजेंसी/नई दिल्ली

यूपी में धर्मांतरण के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। पहले बलरामपुर, फिर आगरा और अब शाहजहांपुर में एक धर्मांतरण सिंडिकेट का पदार्फाश हुआ है। मामले में कार्रवाई करते हुए पुलिस ने शनिवार को तमिलनाडु के एक व्यक्ति सहित तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपी ईसाई मिशनरी समूह से जुड़े धर्मांतरण गिरोह को धन मुहैया कराने का काम करते थे।

शाहजहांपुर के पुलिस अधीक्षक राजेश द्विवेदी ने बताया कि पुलिस जांच

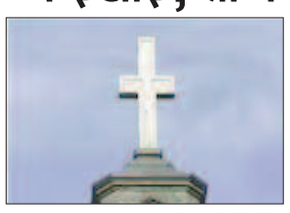

में कुछ ट्रस्टों द्वारा दी गई वित्तीय सहायता की पुष्टि होने के बाद इन आरोपियों की गिरफ्तारी की गई है। संदेह है कि इन लोगों को विदेश से भी पैसे मिले हैं। यह जांच एक हिंदू संगठन की शिकायत के आधार पर शुरू की गई। शिकायत में स्थानीय महिला किरण जोशुआ (37) का नाम था।

आरोप है कि बांझपन, आर्थिक तंगी और घरेलू झगड़ों से जूझ रहे लोग किरण जोशुआ के पास प्रार्थना के लिए जाते थे। उन्हें विश्वास था कि उसमें किसी भी समस्या के इलाज करने की शक्ति है। धीरे-धीरे उसकी प्रतिष्ठा इतनी बढ़ गई कि रविवार को बड़ी संख्या में लोग उसके यहां आने लगे। किरण पर आरोप है कि वो बीमारियों का इलाज कर लोगों का भरोसा जीत लेती थी। इसके बाद लोगों को गुमराह करके ईसाई धर्म अपनाने की सलाह देती थी। पुलिस ने 13 जुलाई को उसके घर पर छापा मारा तो प्रार्थना सामग्री, बाइबल और अन्य साहित्य बरामद किया।

शिक्षा मंत्रालय का बड़ा फरमान: देश के सभी स्कूलों का होगा सुरक्षा ऑडिट

एजेंसी/नई दिल्ली

देश के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने स्कूलों में अनिवार्य सुरक्षा ऑडिट कराने के निर्देश जारी किए हैं। शिक्षा मंत्रालय की ओर से इसे अनिवार्य बताया गया है। यह कदम राजस्थान की उस घटना के बाद उठाया गया है, जब एक स्कूल की छत गिरने से सात बच्चों की मौत हो गई और कई बच्चे मलबे में दब गए।

शिक्षा मंत्रालय की ओर से स्कूलों के सुरक्षा ऑडिट को लेकर विस्तृत दिशा निर्देश और सुझाव की जानकारी सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर भी दी गई है। इसके तहत सभी स्कूलों को सुरक्षा ऑडिट का पालन करना होगा, जिसमें अग्नि सुरक्षा, मानसिक स्वास्थ्य और एक रिपोर्टिंग तंत्र भी शामिल है।

राजस्थान के झालावाड़ में शुक्रवार को एक सरकारी स्कूल का छत गिर गया। इस हादसे में सात बच्चे की मौत हो गई। साथ ही दर्जनों बच्चे मलबे में दबकर घायल हो गए। बताया जाता है कि जिस वक्त यह हादसा हुआ, स्कूल में 60 बच्चे मौजूद थे। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शिक्षा मंत्रालय के आधिकारिक हैंडल की ओर से एक पोस्ट शेयर किया गया है।

शिंदे ने किया शंकराचार्य का पादुका पूजन, बोले अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती...

भारत की सत्य सनातन संस्कृति को गौ माता ही बचाएगी

एजेंसी/मुंबई

कराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने कहा कि गौ माता ही भारत की सत्य सनातन संस्कृति की रक्षा करेगी, इसलिए हम सभी को मिलकर गौमाता की रक्षा करनी है। महाराष्ट्र राज्य ने गौ माता को राजमाता का दर्जा देकर इतिहास रच दिया है। अब पूरे भारत में इतिहास रचना है। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि देश में गौमाता ही सनातन संस्कृति की रक्षा कर सकती है। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद गौमाता को राष्ट्रमाता का दर्जा दिलाने के लिए अभियान

चला रहे हैं।

बोरीवली स्थित कोरा केंद्र मैदान पर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी श्री अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती जी महाराज का 56वां जन्मदिवस मनाया गया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने महाराजश्री का पादुका पूजन किया और उन्हें गाय की प्रतिमा प्रदान की। इस अवसर पर सुप्रसिद्ध गायक उदित नारायण और अनुराधा पौडवाल ने भजन प्रस्तुति की। कार्यक्रम में विधायक प्रकाश सुर्वे, विधायक संजय उपाध्याय सहित देशभर से आए साधु संत व वशिष्ट हस्तियां उपस्थिति थी।

उपमुख्यमंत्री शिंदे ने कहा कि गौ माता के लिए इस तरह का साहसिक निर्णय लेने की प्रेरणा उन्हें स्वामीजी के ही कारण मिली। अन्याय के खिलाफ हिम्मत करनी होती है और महाराष्ट्र ने यह देखा है। इस अवसर पर एम.एल. सोनी परिवार ने कन्या पूजन किया। जयकांत शुक्ला, अशोक साहू, अभिषेक जाजू आदि तुलादान किया। महाराजश्री के मीडिया प्रभारी योगीराज सरकार और चातुर्मास समिति के मीडिया प्रभारी शैलेंद्र श्रीवास्तव ने बताया कि शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद जी इन दिनों बोरीवली पश्चिम में कोरा केंद्र मैदान पर चातुर्मास्य महामहोत्सव को सानिध्य प्रदान कर रहे हैं। उनके वधंती महोत्सव पर सुबह से ही उत्सव की धूम रही। ईश्वर पर कन्या पूजन जरूरतमंदों को छतरियों का वितरण, गायों को चारा खिलाने के साथ ही अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए।

सरकारी अस्पतालों में डॉक्टरों की सुरक्षा को लेकर उठी आवाज, काला बिल्ला लगाकर विरोध

- सदर अस्पताल में इलाज के दौरान बच्ची की मौत के बाद चिकित्सकों से किया गया था दुर्व्यवहार

केटी न्यूज/बक्सर

सदर अस्पताल बक्सर में चिकित्सकों और स्वास्थ्यकर्मियों के साथ हुए दुर्व्यवहार और एफआईआर दर्ज किए जाने की घटना ने जिले भर के चिकित्सक समुदाय में रोष की लहर पैदा कर दी है। डॉक्टरों और नर्सिंग स्टाफ ने इस घटना को न सिर्फ उनके आत्म-सम्मान पर हमला बताया, बल्कि इसे कार्यस्थल की गंभीर सुरक्षा चूक के रूप में भी चिन्हित किया है। इसके विरोध में जिले के सभी सरकारी अस्पतालों में शनिवार 26 जुलाई से डॉक्टर और नर्सिंग स्टाफ काला बिल्ला लगाकर कार्य कर रहे हैं।बता दें कि 21 जुलाई को सदर अस्पताल में इलाज के दौरान एक बच्ची की मौत हो गई थी। इस घटना के बाद मृत बच्ची के परिजनों ने अस्पताल के चिकित्सकों और कर्मियों पर अभद्र व्यवहार, गाली-गलौज और मारपीट की कोशिश की। इतना ही नहीं, चिकित्सकों के खिलाफ स्थानीय थाने में प्राथमिकी भी दर्ज करा दी गई। इस पूरे घटनाक्रम ने अस्पताल में कार्यरत डॉक्टरों व चिकित्सा कर्मियों को न केवल मानसिक रूप से आहत किया।इस गंभीर विषय को लेकर सदर अस्पताल में चिकित्सकों और नर्सिंग स्टाफ की आपात बैठक बुलाई गई। ताकि वे अपने विरोध को शांति और गरिमा के साथ दर्ज करा सकें। चिकित्सकों ने कहा कि यह विरोध किसी के खिलाफ नहीं, बल्कि अपने अधिकारों और सुरक्षा की गारंटी के लिए है।

चिकित्सकों ने डीएम को सौपा अपनी मांग

डॉक्टरों ने एक ज्ञापन भी डीएम को सौंपा गया, जिसमें तीन प्रमुख मांगें रखी गई हैं। इनमें चिकित्सकों और स्वास्थ्यकर्मियों की कार्यस्थल पर समुचित सुरक्षा की व्यवस्था करने, इस घटना में चिकित्सकों के खिलाफ दर्ज कराए गए एफआईआर को अविलंब निरस्त करने तथा जिन लोगों ने अस्पताल में डर और अशांति का माहौल बनाते हुए सरकारी कार्य में बाधा डाली, उनके विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग शामिल है। चिकित्सकों ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि 28 जुलाई तक इन मांगों पर कोई सकारात्मक कदम नहीं उठाया गया, तो उस दिन जिले के सभी सरकारी अस्पतालों में ओपीडी सेवा का पूर्ण बहिष्कार किया जाएगा। इतना ही नहीं, तीन दिनों के भीतर समाधान नहीं निकलने की स्थिति में आकस्मिक सेवा सहित संपूर्ण हड़ताल पर जाने की बात भी कही गई है। चिकित्सकों का कहना है कि अगर ऐसा होता है, तो मरीजों को होने वाली असुविधा के लिए पूरी जिम्मेदारी जिला प्रशासन की होगी, क्योंकि उन्होंने समय रहते समाधान निकालने की दिशा में कोई प्रयास नहीं किया। इस बीच, जिला स्वास्थ्य विभाग भी घटनाक्रम पर नजर बनाए हुए है और संभावना जताई जा रही है कि जल्द ही वार्ता के माध्यम से इस मुद्दे का समाधान निकाला जाएगा, जिससे जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था प्रभावित न हो। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि 26 जुलाई से सभी सरकारी चिकित्सक और स्वास्थ्यकर्मी काला बिल्ला लगाकर अपना कार्य करेंगे।

एक नजर

बीपीएस हायर सेकेंडरी स्कूल में पारंपरिक उल्लास से मनाया गया सावन महोत्सव

नावानगर । स्थानीय गांव स्थित बीपीएस हायर सेकेंडरी स्कूल में शनिवार को सावन महोत्सव पारंपरिक उत्साह और सांस्कृतिक उल्लास के साथ मनाया गया। विद्यालय परिसर को हरियाली, पुष्पों और रंग-बिरंगे तोरणों से भव्य रूप से सजाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत मां पार्वती और भगवान शिव की वंदना से हुई। इसके बाद छात्रों ने लोकगीत, सावन की झूला गीतें, नृत्य और कविताओं के माध्यम से सावन की सांस्कृतिक छटा बिखेरी। छोटे बच्चों ने रक्षाबंधन, हरियाली तीज और कांवर यात्रा से जुड़ी झांकियों की प्रस्तुति कर सभी का मन मोह लिया। विद्यालय निदेशक ई. दीपक कुमार ने सावन माह की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए इसे हरियाली, जीवन और सांस्कृतिक समृद्धि का प्रतीक बताया। उन्होंने छात्रों को भारतीय संस्कृति और पर्व-त्योहारों से जुड़ाव बनाए रखने की प्रेरणा दी। प्रतिभागी छात्रों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर शिक्षिका कविता कुमारी, मंजू कुमारी, वंदना कुमारी, ऐश्वर्या कुमारी, आसिया, आसिफा और प्रशांत शर्मा सहित अन्य मौजूद थे।

नवविवाहिता हत्याकांड, पिता ने ससुराल पक्ष पर दर्ज कराया दहेज हत्या का एफआईआर

बक्सर। इटाढ़ी थाना क्षेत्र के बरहना गांव में हुए नवविवाहिता शोभा देवी की संदेहास्पद परिस्थिति में मौत मामले में उसके पिता पप्पू यादव ने ससुराल पक्ष वालों पर दहेज के लिए हत्या किए जाने का आरोप लगा एफआईआर दर्ज कराया है। मृतका के पिता ने उसके पति चंदन यादव, भाई रंजन यादव, पिता गोरख यादव समेत सास व ननद पर अपनी बेटी को दहेज के लिए प्रताड़ित करने तथा साजिश के तहत उसकी हत्या कर उसे आत्महत्या का रंग देने का आरोप लगाया है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए उसके पति चंदन को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं, अन्य आरोपित फरार हो गए है।

इटाढ़ी थानाध्यक्ष सोनू ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि अन्य आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। उन्होंने कहा कि आरोपितों को शीघ्र गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

सांसद की पहल से बढ़ेगा मुआवजा, जल्द बनेगी कॉलोनी, किसानों की मांगों पर मिले आश्वासन

चौसा। बक्सर थर्मल पावर प्लांट से प्रभावित किसानों और मजदूरों की समस्याओं को लेकर शनिवार को बनारपुर पंचायत भवन में आयोजित किसान चौपाल में भारी जनसैलाब उमड़ पड़ा। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता और क्षेत्रीय सांसद सुधाकर सिंह ने चौपाल को संबोधित करते हुए कहा कि विस्थापितों को आर एंड आर नीति के तहत मिलने वाला मुआवजा 3.90 लाख रुपये से बढ़ाकर 5 लाख रुपये किया जा रहा है और इसकी प्रक्रिया अंतिम चरण में है। सांसद ने बताया कि 750 दिनों की मजदूरी की स्वीकृति मिल चुकी है और जल्द ही इसका भुगतान शुरू होगा। साथ ही 13 एकड़ भूमि पर विस्थापित परिवारों के लिए कॉलोनी निर्माण का कार्य वर्षा समाप्त होते ही प्रारंभ होगा।

भारतीय जनता पार्टी की सबसे बड़ी ताकत उसके कार्यकर्ता ही है : राजेश

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव नगर भवन सभागार में शनिवार को भारतीय जनता पार्टी की एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन हुआ, जिसमें कार्यकताओं का उत्साह देखते ही बन रहा था। यह डुमरांव व ब्रह्मपुर विधानसभा क्षेत्र, का संयुक्त के लिए संयुक्त कार्यशाला था, जिसमें दोनों विधानसभा क्षेत्र के सैकड़ो कार्यकर्ता शामिल हुए। आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर पार्टी की रणनीति और संगठन को मजबूत करने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यशाला में प्रदेश से लेकर जिले तक के कई प्रमुख नेता मौजूद रहे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा बिहार प्रदेश के महामंत्री राजेश वर्मा थे, जबकि विशेष अतिथि के रूप में भाजपा बक्सर जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश भुवन उपस्थित रहे। नगर अध्यक्ष विजय कुशवाहा की अध्यक्षता और अविनाश त्रिपाठी के संचालन में आयोजित इस कार्यशाला की शुरूआत भाजपा के ध्येय गीत के साथ हुई।

राजेश वर्मा ने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए आगामी विधानसभा चुनाव को पार्टी के लिए निर्णायक और चुनौतीपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि भाजपा का सबसे बड़ा बल उसका कार्यकर्ता है, जो जमीन पर ईमानदारी और प्रतिबद्धता से काम करता है। उन्होंने कहा कि अब वक्त आ गया है जब हर कार्यकर्ता को पार्टी की विचारधारा और सरकार की योजनाओं को जनता तक पहुंचाने में पूर्ण सक्रियता दिखानी होगी। वहीं जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश भुवन ने बूथ जीता, चुनाव जीता के मूल मंत्र को दोहराते हुए संगठन को बूथ स्तर तक सशक्त बनाने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता को अपने क्षेत्र में जनसंपर्क बढ़ाकर भाजपा के प्रति समर्थन मजबूत करना होगा। उन्होंने विपक्ष द्वारा फैलाए जा रहे भ्रम और दुष्प्रचार का तथ्यों के आधार पर जवाब देने की अपील भी की। कार्यशाला में संगठन विस्तार, सरकारी योजनाओं का प्रचार-प्रसार, नवीन मतदाताओं से संवाद, और डिजिटल माध्यमों से जुड़ाव जैसे मुद्दों पर भी चर्चा हुई। वक्ताओं ने कहा कि अगर हर कार्यकर्ता अपना योगदान ईमानदारी से दे, तो कोई भी चुनौती बड़ी नहीं है।

माले ने आक्रोश मार्च निकाल सौंपा ज्ञापन, बिजली नहीं तो चुप्पी नहीं का दिया नारा

डुमरांव में बिजली संकट पर फूटा आक्रोश, विरोध में धरना-प्रदर्शन

- बिजली संकट को लेकर जन संघर्ष मोर्चा का धरना, अनिश्चितकालीन आंदोलन की दी चेतावनी

केटी न्यूज/बक्सर

ग्रामीण क्षेत्रों में जारी बिजली संकट के खिलाफ शनिवार को लगातार दूसरे दिन राजनैतिक व सामाजिक संगठनों से जुड़े लोग सड़क पर उतरे तथा धरना-प्रदर्शन व आक्रोश मार्च आदि निकाल बिजली विभाग के अधिकारियों को धान की रोपनी को देखते हुए कृषि फिडरो में 20-22 घंटे निर्बाध गति से बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग की और कहा कि ऐसा नहीं होने पर आंदोलन तेज किया जाएगा। इस दौरान पूरे दिन बिजली विभाग के खिलाफ धरना प्रदर्शन जारी रहा। एक तरफ जन संघर्ष मोर्चा के बैनर तले किसानों तथा विपक्षी दलों के नेताओं ने डुमरांव पॉवर सब स्टेशन कार्यालय परिसर में एक दिवसीय धरना दिया तो दूसरी तरफ माले ने इस मुद्दे पर आक्रोश मार्च निकाल सात सूत्री मांग पत्र सौंपा।

पॉवर सब स्टेशन कार्यालय के पास पूरे दिन धरना पर बैठे रहे मोर्चा कार्यकर्ता

बिजली संकट के खिलाफ जन संघर्ष मोर्चा के बैनर तले महागठबंधन दलों ने जोरदार धरना प्रदर्शन किया। इस दौरान पुराने पॉवर सब स्टेशन कार्यालय के परिसर में एकदिवसीय धरना के माध्यम से जनप्रतिनिधियों और सामाजिक कार्यकताओं ने जिले में बिजली की बदहाल व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े किए।

धरने का नेतृत्व जन संघर्ष मोर्चा के संयोजक एवं राजद के पूर्व प्रदेश महासचिव अखिलेश सिंह यादव ने जबकि संचालन राजद डुमरांव के प्रखंड अध्यक्ष मनोज कुमार ने किया। धरने में सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष उदय नारायण राजभर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। धरनार्थियों ने कहा कि भीषण गर्मी और खेती के सीजन में बिजली की आंखमिचौली आम जनता, खासकर किसानों और विद्यार्थियों के लिए अत्यंत कष्टकारी हो गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार और विद्युत विभाग का रवैया पूरी तरह उदासीन है। वक्ताओं ने चेतावनी दी कि यदि समय रहते समस्याओं का समाधान नहीं किया गया, तो वे अनिश्चितकालीन धरना और आमरण अनशन शुरू करने को बाध्य होंगे। धरने में रखी गई प्रमुख मांगों में जिले के ग्रामीण व शहरी दोनों फिडरो में 20 से 22 घंटे निर्बाध बिजली आपूर्ति, लो वोल्टेज की समस्या का समाधान, जर्जर तारों को बदलकर उच्च क्षमता वाले तारों की आपूर्ति, सभी सब स्टेशनों की क्षमता में वृद्धि और ट्रांसफार्मरों पर स्विच की व्यवस्था शामिल हैं। साथ ही डुमरांव ग्रिड की क्षमता बढ़ाने और नगर परिषद क्षेत्र के महरौरा, हथेलीपुर मठिया जैसे मोहल्लों को नियमित बिजली सुविधा देने की भी मांग की गई। धरने में पूर्व मुखिया प्रतिनिधि इस्लाम अंसारी, राजद जिलाध्यक्ष शेषनाथ सिंह, संतोष भारती, सत्येंद्र आजाद, धनपत चौधरी, अनिल सिंह, नागेंद्र सिंह, इफ्तार अहमद सहित कई नेता व कार्यकर्ता उपस्थित थे। प्रदर्शन के अंत में आंदोलन को तेज करने की चेतावनी दी गई।

डुमरांव में बिजली संकट को लेकर भाकपा माले का हल्ला बोल, सौंपा सात सूत्री मांग पत्र

डुमरांव में बिजली संकट को लेकर भाकपा माले के नेतृत्व में सैकड़ों कार्यकताओं और स्थानीय लोगों ने महरौरा मोड़ से आक्रोश मार्च निकालते हुए विद्युत कार्यालय का घेराव किया। बिजली नहीं तो चुप्पी नहीं और जनता त्रस्त, अधिकारी मस्त जैसे नारों से पूरा इलाका गूंज उठा।

राजू यादव हत्याकांड: पिता के बयान पर नाबालिग समेत चार पर एफआईआर दर्ज

- तीन गिरफ्तार, नाबालिग को कोर्ट के आदेश पर भेजा गया बाल सुधार गृह
- सड़क जाम करने के आरोप में 161 अज्ञात के विरूद्ध दर्ज कराया गया

केटी न्यूज/बक्सर

गुरूवार की रात बक्सर नगर थाना क्षेत्र के मठिया मोहल्ला में शराब पार्टी के दौरान दोस्तों के बीच हुए आपसी विवाद में राजू यादव की हत्या कर दी गई थी। इस मामले में शनिवार को उसके पिता बीरवल यादव के बयान पर एक नाबालिग समेत चार लोगों पर साजिश के तहत पार्टी के बहाने बुलाकर अपने पुत्र की हत्या किए जाने का आरोप लगाया है। पुलिस ने तीनों नामजद को गिरफ्तार कर जेल भेजने के साथ ही नाबालिग आरोपित को भी पकड़ कोर्ट के समक्ष प्रस्तुत किया, जहां कोर्ट के आदेश पर उसे बाल सुधार गृह भेजा गया। सभी उसी मोहल्ले के रहने वाले है। वहीं, दूसरी तरफ इस घटना के विरोध में सड़क जाम किया गया था। पुलिस ने सड़क जाम मामले में 161 अज्ञात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराया है। पुलिस वीडियो फुटेज के आधार पर सड़क जाम करने वालों को चिन्हित कर उनके खिलाफ कार्रवाई करेगी। मृतक के पिता ने जिन लोगों पर एफआईआर दर्ज कराया है उनमें राहुल खरवार, पिंटू व गुड्डू समेत एक नाबालिग शामिल है। बता दें कि गुरूवार की रात राजू यादव अपने कुछ दोस्तों के साथ मोहल्ले में ही शराब पार्टी कर रहा था। इसी दौरान उनके बीच किसी बात को ले विवाद हो गया।

इस दौरान एक युवक ने राजू को गोली मार दी, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। इस घटना के विरोध में शुक्रवार को उसके परिजनों तथा स्थानीय लोगों ने सड़क जाम कर दिया था। हालांकि, घटना के बाद पुलिस की त्वरित कार्रवाई की शहर में चर्चा हो रही है। नगर थानाध्यक्ष मनोज कुमार ने इसकी पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि सभी नामजद आरोपित गिरफ्तार कर लिए गए है।

कारगिल विजय दिवस पर वीर शहीदों को दी गई श्रद्धांजली

केटी न्यूज/बक्सर

कारगिल विजय दिवस के अवसर पर शुक्रवार को बक्सर स्थित शहीद स्मारक परिसर देशभक्ति के रंग में रंगा नजर आया। रेड क्रॉस सोसाइटी की ओर से आयोजित श्रद्धांजलि समारोह में शहीदों की वीरगाथा को याद कर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता रेड क्रॉस सोसाइटी के सचिव डॉ. श्रवण कुमार तिवारी ने की। डॉ. तिवारी ने कारगिल युद्ध की वीरता और बलिदान को याद करते हुए कहा कि यह दिवस उन रणबांकुरों को श्रद्धांजलि देने का दिन है, जिन्होंने पाकिस्तान की कायराना हरकत का मुंहतोड़ जवाब देते हुए देश की सीमाओं की रक्षा की। उन्होंने कहा, जब-जब कोई दुश्मन देश हमारी अखंडता पर चोट करेगा, हमारे जांबाज सैनिक उसी साहस और दृढ़ संकल्प से उन्हें करारा जवाब देंगे। कारगिल युद्ध इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। कार्यक्रम में रेड क्रॉस के सदस्य स्नेहाशीष वर्धन, रितेश रंजन उपाध्याय एवं अवधेश कुमार ने भी श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस दौरान बिहार राज्य इंडियन एक्स-सर्विसमैन मूवमेंट, बक्सर के कई सम्मानित पूर्व सैनिक शामिल हुए और उन्होंने कारगिल के अपने अनुभव व जज्बे को साझा किया। इस अवसर पर पूर्व सैनिकों में सूबेदार हरेंद्र तिवारी, सूबेदार विद्या सागर चौबे, सूबेदार मेजर जेपी सिंह, लेफ्टिनेंट आरबी सिंह, सूबेदार मेजर शिव मुनि राय, सूबेदार रामनाथ सिंह, द्वारिका पांडेय, भारत मिश्र, एलबी राय, राजेंद्र चौबे, हरिहर सिंह, आईडी सिंह सहित अन्य मौजूद थे।

कार की चपेट में आने से बाइक सवार जख्मी

डुमरांव। कार की चपेट में आने से बाइक सावार एक युवक गंभीर रूप से जख्मी हो गया है। घटना शुक्रवार की देर रात नया भोजपुर अंडरपास के समीप की है। इसकी जानकारी मिलते ही नया भोजपुर पुलिस ने उसे इलाज के लिए डुमरांव अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचाया। वहीं, दोनों वाहनों को जब्त कर थाने लाई। जख्मी युवक की पहचान रोहित कुमार गिरी पिता रामावतार गिरी के रूप में हुई है।

प्रत्येक शनिवार को प्रसिद्ध हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. बिरेन्द्र राम के लिए बढ़ जाती है मरीजों की संख्या

अनुमंडलीय अस्पताल में पूरे दिन लगी रही हड्डी के मरीजों की भीड़

केटी न्यूज/डुमरांव

अस्पताल में यदि मरीज को अच्छे इलाज के साथ ही डॉ. का कुशल व्यवहार मिले तो उसे बड़ी राहत मिलती है। यह राहत तब और बढ़ जाती है जब अस्पताल सरकारी हो, जहां मुफ्त इलाज के साथ ही दवा भी बिन पैसे के मिल जाती है।

डुमरांव के अनुमंडलीय अस्पताल में प्रत्येक शनिवार यह देखने को मिलता है। जहां, अनुमंडल के दूर दराज के इलाकों से हड्डी रोग के मरीज प्रसिद्ध हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. बिरेन्द्र राम से अपना इलाज कराने आते है। उन्हें मुफ्त इलाज के साथ ही डॉक्टर साहेब का आत्मीय लगाव व मरीजों से मित्रवत व्यवहार खींच लाता है। बता दे कि डॉ. राम के कारण ही प्रत्येक शनिवार डुमरांव अनुमंडलीय अस्पताल की रौनक बढ़ जाती है। पूरे दिन सैकड़ो की संख्या में मरीज अस्पताल में उमड़े रहते है। मरीजों का कहना है कि डॉक्टर न सिर्फ बेहतर इलाज करते है, बल्कि इस दौरान वे मरीजों से काफी अच्छा व्यवहार भी रखते है तथा उन्हें दर्दनाशक दवा के बदले स्वस्थ्य रहने के लिए उन्हें उचित व पौष्टिक आहार, नियमित व्यायाम, मॉर्निंग वॉक तथा मर्ज से बचाव जैसे नसीहतों को दें उन्हें स्वास्थ्य लाभ कराते है। यही कारण है कि मरीज उनके पास खींचे चले आते है। शनिवार को डुमरांव अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचे नियाजीपुर के लखी नारायण पाठक ने बताया कि उन्हें चार दिन पहले पैर में मोच आई थी। तब वे आकर यहां प्राथमिक इलाज लिए थे, बावजूद डॉ. बिरेन्द्र की ख्याति सुन उनसे जरूरी सुझाव लिया। उन्होंने बताया कि डॉ. राम काफी सरल व सहज अंदाज में मरीजों से बात करते है। उनके अलावे कई अन्य मरीजों ने भी कुछ ऐसा ही कहा। वहीं, अस्पताल कर्मियों का भी मानना है कि डॉ. राम से इलाज के लिए मरीज बेताब रहते है। यहीं, नहीं डुमरांव स्टेशन व राजगढ़ चौक से ई-रिक्शा व ऑटो रिक्शा जैसे यात्री वाहन चलाने वाले चालकों को भी शनिवार का इंतजार रहता है। अनुमंडलीय अस्पताल जाने वाले पैसेंजर मिल जाते है।

वहीं, डॉ. बिरेन्द्र ने केशव टाइम्स को बताया कि उनका प्रयास रहता है कि मरीजों का बेहतर इलाज किया जाए। उन्होंने कहा कि मरीजों से अच्छा लगाव रखना तथा उनके बेहतर स्वास्थ्य के संबंध में जानकारी देना हर डॉक्टर का फर्ज है, मैं इसी को निभाता हूं।

संक्षिप्त समाचार

सात दिनों के अंदर सभी बिजली कर्मियों को मिलेगा सुरक्षा किट

धनबाद, एजेंसी। झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड (जेबीवीएनएल) ने जीरो एक्सिडेंट पॉलिसी के तहत फील्ड में काम करने वाले कर्मचारियों की सुरक्षा को लेकर सख्त निर्देश जारी किया है। निगम के महाप्रबंधक (सब ट्रांसमिशन नेटवर्क) शुभंकर झा ने आदेश जारी कर धनबाद समेत राज्यभर के सभी विद्युत आपूर्ति क्षेत्र व सर्किल कार्यालयों को निर्देश दिया है कि वे सात दिनों के अंदर अपने सभी लाइनमैन और तकनीकी स्टाफ को व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (पीपीइ) किट उपलब्ध करायें। 15 जुलाई को जेबीवीएनएल के एमडी के निर्देशों के आलोक में सब ट्रांसमिशन नेटवर्क के महाप्रबंधक ने अपने आदेश में कहा है कि कोई भी विद्युत मरम्मत कार्य बिना पीपीइ किट पहने शुरू न हो।सभी तकनीकी कर्मचारियों को सेंट्रल इलेक्ट्रिसिटी ऑथोरिटी (सीइए) के दिशा-निर्देशों के अनुरूप सेफ्टी हेलमेट, दस्ताने, सुरक्षा बेल्ट, फायर रिटार्डेंट कपड़े, लाइन टेस्टर, डिस्चार्ज रॉड, अर्थिंग चेन और सुरक्षा जूते से लैस किट दी जायेगी। कर्मियों को सुरक्षा के लिए प्रशिक्षित करने का निर्देश -हर विद्युत आपूर्ति सर्किल व डिवीजन में कर्मचारियों के लिए सुरक्षा जागरूकता और प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया जायेगा। इसमें पीपीइ किट में उपलब्ध सामग्री का सही इस्तेमाल करना, उच्च वोल्टेज कार्यों के दौरान सावधानियां और आपातकालीन स्थिति में बरती जाने वाली प्रक्रिया सिखायी जायेगी। जारी आदेश में पीपीइ किट वितरण और प्रशिक्षण सत्र की फोटोग्राफी कर मुख्यालय को रिपोर्ट करने का निर्देश दिया गया है। साथ ही इन तस्वीरों को संबंधित आधिकारिक ग्रुपों में पोस्ट करने का भी निर्देश दिया गया है।

जीवन बेहतर मुकाम के लिए हर लक्ष्य को निरंतर ऊंचा रखें -प्रो सुकुमार मिश्रा

धनबाद, एजेंसी। आइआइटी आइएसएम में बीटेक में नवप्रवेशित छात्रों के लिए शुक्रवार को इंडक्शन-कम-ओरिएंटेशन कार्यक्रम हुआ। दो सत्रों में पेनमैन ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को संस्थान की शैक्षणिक प्रणाली, सुविधाओं, इतिहास और छात्र जीवन से परिचित कराना था। संस्थान के निदेशक प्रो सुकुमार मिश्रा ने सभी नवप्रवेशित विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि आइआइटी तक की यात्रा में उन्होंने कठिन परिश्रम किया है, लेकिन अब उनका नया सफर शुरू हो रहा है। जैसे ऊंची कूद (हाई जंप) करने वाला खिलाड़ी हर बार अपनी सीमा को चुनौती देता है, वैसे ही उन्हें भी अपने लक्ष्य निरंतर ऊंचे रखने होंगे। जीवन में सफलता के मानदंड बदलते रहते हैं और जो छात्र स्वयं को समय के अनुसार ढालता है, वही आगे बढ़ता है। वहीं डीन एकेडमिक प्रो एमके सिंह ने छात्रों को संस्थान की शैक्षणिक संरचना की जानकारी दी। डीन स्टूडेंट्स वेलफेयर प्रो एसके गुप्ता ने हॉस्टल, स्टूडेंट सेंटर और खेलकूद की सुविधाओं पर प्रकाश डाला। डीन (कॉर्पोरेट कम्युनिकेशन) प्रो रजनी सिंह ने आइआइटी आइएसएम की ऐतिहासिक विरासत को साझा करते हुए बताया कि यह संस्थान शीघ्र ही अपने स्थापना के 100 वर्ष पूर्ण करेगा। डीन (इनोवेशन, इनक्यूबेशन व एंटरप्रेन्योरशिप) प्रो आलोक दास ने संस्थान के इनोवेशन सेंटरों की जानकारी दी। डीन (इंफ्रास्ट्रक्चर) प्रो अमित राय दीक्षित ने संस्थान की आधारभूत संरचनाओं और एमआईएस सिस्टम की जानकारी दी। वहीं, सेंट्रल लाइब्रेरी के प्रभारी प्रो। अजय मंडल ने बताया कि संस्थान की डिजिटल लाइब्रेरी 24म7 उपलब्ध है। कार्यक्रम के अंत में छात्रों ने फैकल्टी सदस्यों से संवाद किया और संस्थान में अपने भविष्य की यात्रा को लेकर उत्साह व्यक्त किया।

जेपीएससी में सफल राजीव रंजन ने कहा- पापा के सपने को पूरा करने की खुशी है

धनबाद, एजेंसी। जेपीएससी (2023) में कल्याणपुर-बरवाअड्डा निवासी राजीव रंजन ने झारखंड में 15वां रैंक हासिल कर बरवाअड्डा क्षेत्र का नाम रोशन किया है। राजीव के पिता स्व नागऋषि रमन एलआइसी एजेंट व व्यवसायी थे। मां रंजू देवी गृहिणी हैं। राजीव ने मैट्रिक व इंटर की पढ़ाई धनबाद पब्लिक स्कूल से की। इसके बाद एमआइटी जमशेदपुर से सिविल ब्रांच में बीटेक की पढ़ाई पूरी की। राजीव ने बताया कि मेरे पापा का सपना था कि बेटा आइएएस अधिकारी या झारखंड में बीडीओ, सीओ बने। पापा के सपने को पूरा करने के लिए बीटेक की पढ़ाई पूरी करने के बाद मैं यूपीएससी की तैयारी करने दिल्ली चला गया। इस दौरान एक कंपनी में नौकरी भी की। फिर पापा के बुलाने पर रांची चला आया और जेपीएससी की तैयारी शुरू कर दी। पापा ने कहा लगन व मेहनत के साथ परीक्षा की तैयारी करो। सफलता जरूर मिलेगी। पॉजिटिव रहो, नकारात्मक बातों से दूर रहो। इसके बाद पापा की बातों को ध्यान में रखकर परीक्षा की तैयारी शुरू की। इसके लिए कोचिंग का भी सहारा लिया। परीक्षा व इंटरव्यू देने के बाद पूरी उम्मीद थी कि सफलता जरूर मिलेगी। लेकिन पिछले वर्ष मेरे पापा का देहांत हो गया। मेरे पापा मेरी सफलता नहीं देख सके। इस कारण मैं बहुत दुखी हूं। लेकिन पापा के सपने को पूरा करने की खुशी भी मेरे मन में है। मेरा लक्ष्य यूपीएससी निकालना है। इसके लिए मेरा प्रयास जारी रहेगा।

पलामू एसपी को पंजाब से आया किडनैपिंग का फोनः

कार्रवाई करने पहुंची पुलिस को मिले अफीम तस्कर

पलामू, एजेंसी। पलामू पुलिस को उस वक्त एक बड़ी कामयाबी मिली, जब एक किडनैपिंग की सूचना पर कार्रवाई करने पहुंची थी। इस दौरान अंतरराज्यीय अफीम तस्करी के नेटवर्क का खुलासा हुआ। बताया जा रहा है कि पंजाब की एक महिला ने पलामू एसपी रीष्मा रमेशन को फोन कर बताया कि मेरे भाई और उसके साथियों का किडनैप कर लिया गया है। फोन कॉल मिलते ही पलामू पुलिस एक्टिव हुई। जांच और दबिश के बाद जब पुलिस किडनैपर की तलाश में पिपराटांड़ पहुंची तो मामला कुछ और ही निकला।

असल में, पंजाब से आए तस्करों को उनके ही स्थानीय तस्करी के साथियों ने अफीम के पैसों को लेकर बंधक बना लिया था। इसके पीछे की वजह आपसी लेनदेन में हुई अनबन और फिरौती की मांग थी।पिपराटांड़ के तितलंगी गांव निवासी अफीम तस्कर डब्लू यादव ने अपने बेटों के साथ मिलकर पंजाब से आए हरमीत सिंह और सतबीर सिंह को बंधक बना लिया था। सतबीर की बहन से 10 लाख की फिरौती मांगी गई थी। महिला ने डब्लू यादव के बेटे पिंटू यादव के खाते में साढ़े सात लाख रुपए जमा भी कर दिए थे। पुलिस ने जब डब्लू यादव के घर पर दबिश दी, तो वहां से बंधक बनाए गए सतबीर और हरमीत को सकुशल मुक्त करा लिया गया। साथ ही मौके से 33 लाख रुपए नकद, तीन क्विंटल 14 किलो डोडा और तस्करी में इस्तेमाल की जाने वाली दो होंडा सिटी कार, दो बोलेरो गाड़ी, 12 मोबाइल फोन और डोडा व्यापार से जुड़ी एक डायरी भी बरामद की गई।

पुलिस ने इस मामले में आठ लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें पंजाब के लुधियाना निवासी हरमीत सिंह (35), पारस चौहान (29), सतबीर सिंह (38), ओम प्रकाश तिवारी (36) और झारखंड के पिपराटांड़ के तितलंगी निवासी डब्लू यादव (60), उनके पुत्र पिंटू कुमार यादव (30), रिंकू कुमार यादव (25) और लोहरसी निवासी नीरज कुमार पासवान (26) शामिल हैं। नीरज स्थानीय चौकीदार का बेटा है। एसपी रीष्मा रमेशन ने बताया कि इस मामले में पिपराटांड़ थाना के कुछ पुलिसकर्मियों की भूमिका भी संदिग्ध प्रतीत हो रही है। इस पहलू की भी गहराई से जांच की जा रही है। मामले की गंभीरता को देखते हुए लेस्लीगंज एसडीपीओ के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई थी, जिसने पूरी कार्रवाई को अंजाम दिया।जांच में यह भी सामने आया कि ये तस्कर पहले भी अफीम और डोडा खरीदने झारखंड आ चुके हैं। चतरा के रास्ते यह तस्करी होती थी। ओमप्रकाश तिवारी इस धंधे में बिचौलिये की भूमिका निभाता था। वह पंजाब से तस्करों को लाकर झारखंड में अफीम की डील कराता था।

डोडा की कीमतों को लेकर भी चौंकाने वाली जानकारी सामने आई। झारखंड में डोडा 800 रुपए प्रति किलो मिलता है, जबकि पंजाब में यह 2000 रुपए किलो तक बेचा जाता है। इससे तस्करों को मोटा मुनाफा होता है। एसपी ने कहा कि पलामू पुलिस इस पूरे गिरोह की जड़ तक जाने के लिए लगातार छापेमारी और पूछताछ कर रही है।

धरना-प्रदर्शन पर रोक के आदेश को 5 दिन बाद विवि प्रशासन ने लिया वापस

रांची, एजेंसी। झारखंड हाईकोर्ट ने रांची यूनिवर्सिटी द्वारा विनोबा भावे विवि, हजारीबाग में प्रोफेसर के रूप में कार्यरत डॉ मिथिलेश कुमार सिंह के मामले में अहम आदेश जारी किया है। कहा है कि रांची यूनिवर्सिटी द्वारा लियन (अवकाश) को लेकर किसी प्रकार की कार्रवाई की जाती है, तो हाईकोर्ट के अंतिम अंतिम फैसले से प्रभावित होगा।

हाईकोर्ट ने रांची विश्वविद्यालय को समय देते हुए चांसलर और विनोबा भावे विश्वविद्यालय को भी पार्टी बनाया है। डॉ मिथिलेश की ओर से अधिवक्ता रूपेश सिंह ने पक्ष रखा। वहीं वर्तमान प्रभारी वीसी डॉ दिनेश कुमार सिंह पत्र जारी कर कहा है कि 10 दिन में योगदान नहीं देते हैं तो सेवा समाप्त कर दी जाएगी।

रांची डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी यूनिवर्सिटी (डीएसपीएमयू) ने 21 जुलाई को कैंपस में छात्रों के धरना-प्रदर्शन पर रोक लगा दिया गया था। छात्र संगठनों ने इसके विरोध में धरना-प्रदर्शन किया था और आदेश को वापस लेने की मांग की थी। 5 दिन बाद आदेश को संशोधित करते हुए धरना-प्रदर्शन पर रोक से संबंधित आदेश को विवि प्रशासन ने वापस ले लिया है। इससे संबंधित संशोधित नोटिफिकेशन भी जारी कर दिया गया है।

बताते चलें कि भाजयुमो के प्रदेश अध्यक्ष सह सीनेटर शशांक राज, पूर्व प्रेसिडेंट नीरज, छात्र आजसू के प्रदेश अध्यक्ष ओम वर्मा, जेसीएम के अमन तिवारी, एसीएस के विवेक तिर्की, अबुआ अधिकार मंत्र के अभिषेक झा समेत अन्य संगठनों के प्रतिनिधियों प्रॉक्टर डॉ राजेश कुमार सिंह और रजिस्ट्रार डॉ धनंजय द्विवेदी के बीच बातचीत में आदेश को संशोधन करने पर सहमति बनी। संशोधन का छात्र संगठनों ने स्वागत किया।

जामताड़ा के श्याम मंदिर में लाखों की चोरी: छत्र, मुकुट, बर्तन और नगदी ले गए चोर

जामताड़ा, एजेंसी। जामताड़ा के प्रसिद्ध श्याम मंदिर में बीती रात चोरों ने धावा बोलकर लाखों रुपए के जेवरात और नकदी पर हाथ साफ कर दिया। चोरों ने मंदिर के अंदर के गेट का ताला तोड़ा। बाबा श्याम के श्रृंगार का सामान, छत्तर और दान पेटी में रखे कीमती सामानों को चुरा लिया। घटना का पता सुबह तब चला जब मंदिर के पंडित ने दरवाजा खोला और सामान गायब पाया। तुरंत मंदिर कमेटी को सूचना दी गई। इसके बाद जामताड़ा पुलिस मौके पर पहुंची।

जामताड़ा एसडीपीओ विकास आनंद लगोरी के नेतृत्व में पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। फिंगरप्रिंट विशेषज्ञों को भी मौके पर बुलाया गया है। एसडीपीओ विकास आनंद ने बताया कि मामले की गहन जांच की जा रही है। फिंगरप्रिंट एक्सपर्ट की मदद ली जा रही है और जल्द ही इस मामले का खुलासा किया जाएगा।

श्याम मंदिर कमेटी के उपाध्यक्ष शिबू परशुराम ने घटना पर दुख जताया है। उन्होंने बताया कि अनुमानित तौर पर 15 से 20 लाख रुपए का सामान चोरी हुआ है। उनका मानना है कि खराब मौसम और लगातार बारिश के कारण चोरों को वारदात को अंजाम देने का मौका मिला।एसपी राजकुमार मेहता ने कहा कि मंदिर का सीसीटीवी कैमरा खराब था। इसका फायदा चोरों ने उठाया। उन्होंने बताया कि बारिश का समय होने के कारण भी चोरों को मदद मिली। इस मामले की जांच के लिए एक विशेष जांच दल का गठन किया जाएगा। फोरेंसिक एक्सपर्ट सबूत जुटा रहे हैं। पुलिस पेट्रोलिंग कहां थी, इसकी भी जांच की जाएगी।

रांची में कुत्तों की बढ़ती आबादी से दहशत, छह महीने में 11 हजार से ज्यादा लोगों को काटा, 5 साल से नहीं हुआ सर्वे

रांची, एजेंसी। राजधानी रांची में आवारा कुत्तों का संकट गंभीर होता जा रहा है। शहर की हर गली, चौक और मोहल्ले में कुत्तों के झुंड दिखाई देते हैं। ये न केवल लोगों के लिए असहज स्थिति पैदा कर रहे हैं, बल्कि कई मामलों में हमला भी कर रहे हैं। सबसे चिंताजनक बात यह है कि रांची नगर निगम के पास यह स्पष्ट आंकड़ा तक नहीं है कि शहर में आवारा कुत्तों की संख्या कितनी है। दरअसल, पिछले पांच वर्षों से इस दिशा में कोई सर्वे नहीं किया गया है। इस कारण स्थिति का सही मूल्यांकन करना भी मुश्किल हो गया है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि आज हालात ऐसे हैं कि सुबह से लेकर रात तक हर तरफ सिर्फ कुत्ते ही दिखते हैं। ये कुत्ते कई बार राह चलते लोगों पर झपट पड़ते हैं, जिससे खासकर बच्चों और बुजुर्गों को खतरा बना रहता है। रात के समय तो इनकी हरकतें और भी डरावनी हो जाती हैं। लोग कहते हैं कि अब केवल रात ही नहीं, दिन के समय भी यह कुत्ते हमला कर रहे हैं।

रांची नगर निगम की ओर से इस मुद्दे पर जवाब देते हुए सहायक लोक स्वास्थ्य पदाधिकारी डॉ। किरण कुमारी ने बताया कि निगम की टीम दो शिफ्ट में काम करती है। पहली शिफ्ट सुबह 10 बजे तक और दूसरी शिफ्ट रात तक जारी रहती है। इस दौरान संबंधित क्षेत्रों की निगरानी की जाती है, डॉग कैचर की टीम कुत्तों को पकड़ती है, उनकी नसबंदी की जाती है और फिर गाइडलाइन के अनुसार उन्हें उसी जगह वापस छोड़ा जाता है जहां से पकड़ा गया था।

उन्होंने बताया कि नसबंदी प्रक्रिया में निगम के पास डॉक्टरों की टीम है, लेकिन कई बार स्थानीय लोग आपत्ति जताते हैं कि कुत्तों को वापस क्यों लाया गया। इस पर डॉक्टर किरण कहती हैं कि यह गाइडलाइन के अनुसार जरूरी है, और हमें इसमें बदलाव की अनुमति नहीं है।

इस बीच एक चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है। दरअसल रांची नगर निगम क्षेत्र में कई ऐसे वार्ड हैं जो अर्ध-ग्रामीण या ग्रामीण इलाकों से लगते हैं। निगम अधिकारियों का कहना है कि इन ग्रामीण इलाकों से कुत्ते शहर में घुस आते हैं और यहीं रहकर जनसंख्या बढ़ा रहे हैं। यही वजह है कि नसबंदी अभियान चलाने के बावजूद इनकी संख्या कम नहीं हो रही। नगर निगम ने माना है कि यह अब उनके लिए भी चिंता का विषय बन गया है।

नगर निगम ने यह स्वीकार किया है कि पिछले पांच वर्षों से कुत्तों की संख्या को लेकर कोई ठोस सर्वे नहीं हुआ है। नसबंदी की संख्या का भी कोई व्यापक डाटा मौजूद नहीं है। हालांकि अधिकारियों का कहना है कि अब इस दिशा में जल्द ही पहल की जाएगी और नया सर्वे कराया जाएगा ताकि वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सके।

डीएसपी विकास श्रीवास्तव की पाठशाला ने रचा इतिहास, जेपीएससी में 140 छात्रों का चयन

रांची, एजेंसी। झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) की 11वीं से 13वीं सम्मिलित सिविल सेवा परीक्षा 2023 के अंतिम परिणाम ने कई ऐतिहासिक उपलब्धियां दर्ज की हैं। कुल 342 अभ्यर्थियों का चयन राज्य की प्रशासनिक, पुलिस और अन्य सेवाओं के लिए हुआ है। इस सफलता की कहानी में एक नाम विशेष रूप से उभरकर सामने आया है, डीएसपी विकास श्रीवास्तव। वे न केवल एक कुशल पुलिस अधिकारी हैं, बल्कि एक प्रेरक मार्गदर्शक और शिक्षक के रूप में भी अपनी पहचान बना चुके हैं।

डीएसपी की पाठशाला: एक सपने की शुरुआत

विकास श्रीवास्तव, जो स्वयं जेपीएससी के कैडर अधिकारी हैं, ने चौथे प्रयास में इस प्रतिष्ठित परीक्षा को पास किया था। तीन बार असफलता का सामना करने के बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी। झारखंड पुलिस में सेवा के दौरान उन्होंने युवाओं को सिविल सेवा के लिए तैयार करने का संकल्प लिया। यही दृढ़ निश्चय डीएसपी की पाठशाला की नींव बना।

कुछ वर्ष पहले विकास ने डीएसपी की पाठशाला के नाम से निःशुल्क ऑनलाइन कोचिंग की शुरुआत की। धीरे-धीरे यह पहल एक मजबूत मंच के रूप में उभरी, जहां हजारों छात्र उनके साथ जुड़े। ऑनलाइन कक्षाओं के साथ-साथ उन्होंने रांची में एक ऑफलाइन केंद्र भी स्थापित किया, जहां प्रारंभिक, मुख्य परीक्षा और साक्षात्कार की नियमित तैयारी कराई जाती है।

जेपीएससी परिणाम में पाठशाला का रिकॉर्ड

11वीं से 13वीं जेपीएससी परीक्षा के परिणाम में डीएसपी की पाठशाला ने अभूतपूर्व प्रदर्शन किया है। कुल 342 सफल अभ्यर्थियों में से 140 इस पाठशाला से जुड़े थे। इनमें से कई ने प्रशासनिक, पुलिस और वित्त सेवा जैसे महत्वपूर्ण पदों पर स्थान हासिल किया है। यह उपलब्धि किसी कोचिंग संस्थान के लिए केवल आंकड़ा नहीं, बल्कि समाज के प्रति प्रतिबद्धता और कड़ी मेहनत का प्रमाण है।

जेपीएससी का वो हीरो, जो दिन में खाना पहुंचाता था और रात में सपनों को सींचता था

रांची, एजेंसी। जब हालात घुटने टेकने पर मजबूर करें और सपनों को छोड़ देना आसान लगने लगे—तब भी जो डटा रहे, वही असली विजेता होता है। ऐसी ही प्रेरणादायक कहानी है राजेश रजक की, जिन्होंने डिलीवरी ब्वॉय की नौकरी करते हुए झारखंड लोक सेवा आयोग में सफलता पाई है। उन्हें 271वीं रैंक मिली है और अब उनका चयन झारखंड जेल सेवा में काराधीक्षक पद पर हुआ है।

राजेश हजारीबाग जिले के बरकट्ठा प्रखंड के ग्राम केंदुआ, श्री लालोडीह के निवासी हैं। जब वे 12वीं में पढ़ रहे थे, तभी उनके पिता राजू रजक का निधन हो गया। इसके बाद परिवार की जिम्मेदारी मां जानकी देवी पर आ गई। उन्होंने तुर्कबाद के मध्य विद्यालय में रसोइया का काम कर किसी तरह घर का खर्च चलाया।आर्थिक तंगी के कारण राजेश की पढ़ाई छूटने वाली थी, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। वे रांची चले गए और एक डिलीवरी ब्वॉय की नौकरी करने लगे। दिन में ऑर्डर पहुंचाते, और रात में किताबों से जूझते रहे। उसी जुझारूपन का नतीजा है कि आज वे अफसर बन गए हैं।

राजेश बताते हैं कि वक्त बहुत कम था, लेकिन जिद थी कि हालात से हार नहीं माननी। नौकरी के बाद जो भी समय बचता, उसे पढ़ाई में लगाता था। मां की मेहनत मेरी प्रेरणा रही।जेपीएससी की परीक्षा में 271वीं रैंक हासिल कर राजेश का चयन झारखंड जेल सेवा में काराधीक्षक पद के लिए हुआ है। वे अब अपने जिले और राज्य के लिए एक उदाहरण बन गए हैं।

राज्य की 10 सोहराई आर्टिस्ट की कला देख राष्ट्रपति बोलीं- ये कलाकृतियां भारत की आत्मा को दर्शाती हैं

रांची, एजेंसी। झारखंड की 10 सोहराई आर्टिस्ट ने अपनी कला से राष्ट्रपति को चकित कर दीं। कलाकारों ने अद्भुत प्रदर्शन करते हुए 100 मीटर लंबे कपड़े पर पारंपरिक चित्रकारी की, जो कला प्रेमियों के बीच आकर्षण का केंद्र रही। आर्टिस्ट इन रेजिडेंस कार्यक्रम के दूसरे संस्करण 'कला उत्सव-2025' का आयोजन 14 से 24 जुलाई तक राष्ट्रपति भवन में हुआ।

25 जुलाई को दिल्ली से वापस लौटने के बाद कलाकारों ने बताया कि पारंपरिक भित्ति चित्रकला सोहराई को दिल्ली में खूब पसंद किया गया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने प्रदर्शनी का भ्रमण किया व सोहराई को देखकर झारखंड के कलाकारों से व्यक्तिगत रूप से संवाद किया। कहा कि ये कलाकृतियां भारत की आत्मा को दर्शाती हैं। प्रकृति से हमारे संबंध, हमारी पौराणिकता व सामुदायिक जीवन को आप सभी ने सहेजकर रखा है। आपके प्रयासों की प्रशंसा करती हूं। उन्होंने इस आयोजन को भारत की समृद्ध लोक व जनजातीय कला परंपराओं के उत्सव का महत्वपूर्ण अध्याय बताया।

इस सांस्कृतिक पहल में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र और उसका रांची स्थित क्षेत्रीय केंद्र ने प्रमुख भूमिका निभाई। सदस्य सचिव डॉ। सच्चिदानंद जोशी, क्षेत्रीय निदेशक डॉ। कुमार संजय झा, परियोजना सहयोगी सुमेधा सेनगुप्ता कार्यक्रम में मौजूद रहे। राष्ट्रपति को हाथ से बुनी पारंपरिक साड़ी भेंट की गई। सुमेधा सेनगुप्ता ने बताया कि सोहराई झारखंड की धार्मिक और सांस्कृतिक चित्रकला परंपरा है, जो मुख्यतः फसल कटाई व त्योहारों के अवसर पर आदिवासी महिलाएं बनाती हैं। प्राकृतिक मिट्टी के रंगों व बांस के ब्रश से कलाकार मिट्टी की दीवारों पर पशु-पक्षियों, वनस्पतियों व ज्यामितीय आकृतियों के माध्यम से कृषक जीवन व आध्यात्मिक आस्था को सजीव रूप में चित्रित करते हैं।

मिथिला-गोंड जैसी पहचान अभी बाकी : डॉ. सच्चिदानंद जोशी ने बताया कि झारखंड की सोहराई कला को जीआई टैग मिल चुका है। लेकिन अभी तक इसे राष्ट्रीय स्तर पर वैसी पहचान नहीं मिली है, जैसी गोंड, मिथिला और वरली चित्रकला को मिली है। आज इतने प्रतिष्ठित मंच पर सोहराई पेंटिंग प्रस्तुत हुई। लोगों ने जैसे इसे सराहा, उससे खुशी हो रही है। यह झारखंड के कलाकारों के लिए सम्मान की बात है।

हजारीबाग के सुदूर गांव की 10 प्रतिष्ठित सोहराई कलाकारों में रुदन देवी, अनीता देवी, सीता कुमारी, मालो देवी, सजवा देवी, पार्वती देवी, आशा देवी, कदमी देवी, मोहिनी देवी और रीना देवी शामिल हुईं। सभी 10 दिनों तक अपनी पारंपरिक कला को बनाया और देशभर के दर्शकों के समक्ष प्रस्तुत किया। मालो देवी और सजवा देवी ने कहा कि हम इस पहल का हिस्सा बनकर बेहद खुश हैं। अपने राज्य की सोहराई कला को प्रस्तुत करना एक अद्भुत अनुभव रहा।

हजारीबाग में बालू-कोयला खनन से जुड़े मामले की जांच, दस्तावेज लेकर ईडी कार्यालय पहुंचे डीएमओ

रांची, एजेंसी। पूर्व मंत्री योगेंद्र साव के विरुद्ध अवैध बालू व कोयला खनन मामले में मनी लांड्रिंग के तहत जांच कर रही ईडी के बुलावे पर हजारीबाग के जिला खनन पदाधिकारी (डीएमओ) अजित कुमार गुरुवार को ईडी कार्यालय पहुंचे।

वे बालू व कोयला खनन से संबंधित दस्तावेज लेकर गए थे। ईडी ने उन्हें समन नहीं किया था, बल्कि उनसे कुछ दस्तावेजों की मांग की थी, जिसे वे उपलब्ध कराने गए थे।

पिछले दिनों ईडी ने डीएमओ अजित कुमार के कार्यालय में भी सर्वे चलाया था। कुछ बिंदुओं पर ईडी को जानकारी चाहिए थी, जिससे संबंधित दस्तावेज नहीं मिल सके थे। डीएमओ ने भी ईडी को जांच में पूरा सहयोग का आश्वासन दिया था।

कुछ दिन पहले भी ईडी ने इस मामले में बड़कागांव की पूर्व कांग्रेसी विधायक अंबा प्रसाद, उनके पिता पूर्व मंत्री योगेंद्र साव, भाई अंकित राज, अंकित राज के चार्टर्ड अकाउंटेंट बादल गोयल के ठिकानों पर छापेमारी की थी।इस छापेमारी में सीए बादल गोयल के ठिकाने से 15 लाख रुपये नकदी की बरामदगी हुई थी। पूर्व मंत्री योगेंद्र साव व उनके बेटे अंकित राज, बेटी अनुप्रिया आदि से संबंधित करीब 16 कंपनियों के बारे में भी ईडी ने जानकारी हासिल की है, जिनके खातों में बड़े पैमाने पर अवैध तरीके से रुपयों के लेन-देन के सबूत मिले हैं।

सुभाषितम्

अज्ञानता और विचार हीनता मानवता के विनाश के दो सबसे बड़े कारण है। - जॉन टिलोटसन

छोटे कारोबारियों को जीएसटी के लाखों रूपयों वसूली के नोटिस

डिजिटल इंडिया का सपना आज आम आदमी के लिए हकीकत बन चुका है। यूपीआई, फोन-पे, गूगल-पे जैसे प्लेटफॉर्म के जरिए भुगतान अब केवल बड़े शॉपिंग मॉल्स तक सीमित नहीं रहा। चाय की टपरी, समोसे के ठेले, फल-सब्जी की रेहड़ियों फेरी और दूधवालों को मोबाइल के जरिए ऑनलाइन भुगतान हो रहा है। यह भुगतान 10 रुपए से लेकर 100- 200 रुपए के बीच होता है। इसी डिजिटल सुविधा के जरिए सरकार ने छोटे कारोबारियों के लिये टैक्स का जाल बिछा दिया है। रोजाना छोटे-छोटे से कारोबार करने वाले, जो झोपड़िया में रहते हैं। बामुश्किल 15 से 20000 रूपया महीना कमा पाते हैं। वह जीएसटी के जाल में फंसकर तड़पने के लिए मजबूर हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने जीएसटी को ह्लगब्बर सिंह टैक्सह्व बताकर इसका विरोध किया था। जीएसटी टैक्स अब एक नए रूप में उभरा है। जो गरीबों को आतंकित कर रहा है। गरीबों ने सोचा भी नहीं था, जीएसटी के उन्हें नोटिस मिलेंगे। लाखों रुपए की टैक्स डिमांड की जाएगी। उनके पास कल खाने के लिए भी कोई ठिकाना नहीं है। वह जो छोटा-मोटा कारोबार करते हैं, ग्राहकों से जीएसटी वसूल नहीं किया। अब सरकार उनसे जीएसटी के रूप में लाखों रुपए टैक्स के रूप में मांग रही है। बेंगलुरु जैसे शहर में ऑनलाइन भुगतान के खिलाफ आंदोलन शुरू हो गया है। लोगों ने ऑनलाइन भुगतान लेना बंद कर दिया है। केंद्र सरकार ने कोरोना महामारी के दौरान नगदी भुगतान के स्थान पर डिजिटल भुगतान को बढ़ावा दिया था। छोटे से बड़े सभी लोगों ने डिजिटल भुगतान को स्वीकार कर लिया था। अब यही डिजिटल भुगतान गरीबों के गले में फांसी के फंदे की तरह लटक गया है। जीएसटी का नियम कहता है, सालाना 20 लाख रुपये की बिक्री करने वालों को जीएसटी के का लायसेंस लेना होगा। जीएसटी का कानून टर्नओवर पर आधारित है। दूध बेचने वाले फल सब्जी बेचने वाले रोड में चाय और समोसे बेचने वाले जो झोपड़िया में रहते हैं। बामुश्किल 10 से 12 घंटे की मेहनत करने के बाद 10 से 15000 रुपये महीने कमा पाते हैं। पिछले 10 वर्षों में महंगाई बड़ी तेजी के साथ बढ़ी है। छोटे-छोटे कारोबारियों ने डिजिटल भुगतान के लिये बैंक से क्यूआर कोड लेकर भुगतान लेना शुरू कर दिया था। जीएसटी कानून में यह नहीं देखा जा रहा है, यह रेहड़ी, ठेले, फल या सब्जी बेचने वाले कितना मुनाफा कमा रहे हैं। सुबह से शाम तक कड़ी मेहनत के बाद सालभर में 20 लाख की बिक्री करने वाला गरीब व्यक्ति मुश्किल से 2-3 लाख सालाना की कमाई कर बामुश्किल से अपने परिवार का पेट पालते हैं। बच्चों को स्कूल भी नहीं भेज पाते हैं। उन्हें बैंक में हुए लेनदेन के आधार पर 18% जीएसटी का नोटिस भेजा जा रहा है। उन गरीबों से लाखों रुपए की टेक्स डिमांड की जा रही है। कुछ मामलों में जीएसटी के अधिकारियों ने 10 लाख रुपये तक की टैक्स देनदारी के नोटिस भेजे हैं, जो पूरी तरह से अमानवीय और असंगत है। ऐसा टेक्स मुगल शासको और अंग्रेजों ने भी गरीबों से कभी नहीं वसूला, जो वर्तमान सरकार द्वारा वसूल किया जा रहा है। यूपीआई का जाल गरीबों की गर्दन में फांसी फंदा बन गया है। ग्राहक 10 रुपए का धनिया लेते हैं, 20 रुपए की जलेबी या 30 रुपए की सब्जी का यूपीआई से पेमेंट कर देते हैं। छोटे कारोबारियों को यह पता नहीं था, ऑनलाइन पेमेंट के आधार पर उनसे जीएसटी वसूल किया जाएगा। उसका हर लेनदेन बैंक खाते में दर्ज हो रहा है। जीएसटी डिपार्मेंट ने इसी रिकॉड्र्स को आधार बनाकर, झुग्गी झोपड़ी में रहने वाले गरीबों के ऊपर टैक्स आरोपित कर उन्हें एक ही झटके मे अपराधी बना दिया है। जो टैक्स इन गरीबों ने ग्राहकों से वसूला ही नहीं, वह इन गरीबों से वसूल किया जा रहा है। इन्हें ना तो जीएसटी कानून की जानकारी है। ना यह इतने पढ़े लिखे हैं, कि वह हिसाब किताब रख पायें। सरकार ने एक ही झटके में इन्हें बड़ा व्यापारी मानकर लाखों रुपए की टैक्स डिमांड कर ली है।

चिंतन-मनन

व्यक्तिगत चेतना का विस्तार

दूसरों के सुख-दुख का भागी बनने से हमारी व्यक्तिगत चेतना विकसित होकर विश्व चेतना बन जाती है। समय के साथ जब ज्ञान की वृद्धि होती है, तब उदासीनता संभव नहीं। तुम्हारा आंतरिक स्रोत ही आनन्द है।अपने दुःख को दूर करने का उपाय है विश्व के दुख में भागीदार होना और अपनी खुशी को बढ़ाने का उपाय है विश्व के आनन्द में सहभागी होना। जब सभी लोग इस विचार से आएंगे कि वे समाज को अपना क्या योगदान दें, तो वह दैवी समाज होगा।हम सबको अपनी व्यक्तिगत चेतना को शिक्षित और शिष्ट करना है ताकि समय के साथ ज्ञान की वृद्धि हो, परिवर्तन आए। यदि ध्यान में तुम्हें गहन अनुभव न हो रहे हों तो और सेवा करो- ध्यान में अधिक गहराई आएगी।ध्यान तुम्हारी मुस्कान वापस लाता है। कई व्यक्ति सेवा करना छोड़ देते हैं जब वे अपनी छवि, प्रतिष्ठा, सम्मान, सुविधा और आराम को लक्ष्य की प्राप्ति से अधिक महत्व देने लगते हैं। कई बार लोग सेवा से कतराने लगते हैं, जब उन्हें कोई पद नहीं मिलता या जब वे अपमानित महसूस करते हैं। जब उन्हें अपेक्षानुसार कम मिलता है या जब वे लक्ष्य की प्राप्ति को चुनौती न समझकर संघर्ष समझते हैं। इसीलिए, संसार में कुछ ही लोग लक्ष्य तक पहुंचने में कामयाब होते हैं। जब ऐसा कुछ करना है जो तुम नहीं कर सकते, तब विश्राम नहीं कर सकते और तब भी विश्राम नहीं कर सकते जब लगता है कि तुम्हें वह बनना है जो तुम नहीं हो। ऐसा कुछ नहीं करना जो तुम नहीं कर सकते। तुमसे वह देने के लिए नहीं कहा जाएगा जो तुम नहीं दे सकते। जितना तुम कर सकते हो, केवल वही तुम्हारे हिस्से की सेवा है।यह समझ गहरा विश्राम देती है। यदि तुममें आकांक्षा या आलस्य है, तुम विश्राम नहीं कर सकते।दोनों ही गहरे विश्राम के विरुद्ध हैं। एक आलसी व्यक्ति रात भर करवटें बदलेगा, बेचैन रहेगा और एक आकांक्षी व्यक्ति अंदर ही अंदर जलेगा।गहन विश्राम तुम्हारी कलाओं और योग्यताओं को उभारता है और तुम्हें अपने स्वरूप के समीप लाता है।

मतदाता सूची संशोधन विवाद : भारत के लोकतंत्र की परीक्षा

- के.के. झा

नवंबर 2025 में होने वाले बिहार विधानसभा चुनावों की तैयारियों के बीच, भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) द्वारा 24 जून 2025 को घोषित विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) ने सियासी तूफान खड़ा कर दिया है। 2003 के बाद पहली बार शुरू यह अभियान बिहार के 7.9 करोड़ मतदाताओं की सूची को घर-घर सत्यापित करने के उद्देश्य से शुरू किया गया। चुनाव आयोग जहाँ अपने इस अभियान को मतदाता सूची को स्वच्छ और पारदर्शी बनाने की नियमित कवायद बताता है, लेकिन राष्ट्रीय जनता दल (राजद), कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों ने इसे मतदाता वंचन और सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के पक्ष में साजिश करार दिया है। अपने इस लेख के माध्यम से लेखक इस विवाद की गहराई से पड़ताल कर विपक्ष के दावों का मूल्यांकन कर यह परखने की कोशिश की है कि क्या यह अभियान वास्तव में चुनावी पारदर्शिता की दिशा में कदम है या सियासी मकसद से प्रेरित है, जैसा कि विपक्षी पार्टियां आरोप लगा रही हैं।

एसआईआर अभियान : उद्देश्य एवं प्रक्रिया

चुनाव आयोग का यह विशेष गहन मतदाता संशोधन अभियान, संविधान के अनुच्छेद 324 और जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 के तहत सटीक मतदाता सूची सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी पर आधारित है। तेजी से शहरीकरण, बार-बार प्रवास, असूचित मृत्यु, और डुप्लिकेट या गैर-नागरिक प्रविष्टियों को हटाने की आवश्यकता इसके प्रमुख कारण हैं। इस अभियान के अंतर्गत बूथ लेवल अधिकारियों ने पुरे प्रदेश में घर-घर जाकर मतदाताओं की पात्रता सत्यापित कर, गणना फॉर्म एकत्र करते हैं, और विशेष रूप से 2003 के बाद नामांकित या 1987 के बाद जन्मे मतदाताओं से दस्तावेजी सबूत मांगते हैं। अभियान 25 जून 2025 को शुरू हुआ, फॉर्म जमा करने की अंतिम तारीख 25 जुलाई थी, प्रारंभिक सूची 1 अगस्त को प्रकाशित होगी, और दावे-आपत्तियों के बाद अंतिम सूची 30 सितंबर 2025 तक तैयार होगी।

24 जुलाई तक, 7.9 करोड़ मतदाताओं में से 98.01% का सत्यापन हो चुका था, और 7.21 करोड़ फॉर्म जमा हुए। 61.1 लाख मतदाता हटाने के लिए चिह्नित किए गए, जिनमें 21.6 लाख मृत, 31.5 लाख प्रवासित, 7 लाख डुप्लिकेट, और 1 लाख अज्ञात शामिल हैं। यह बड़े पैमाने की सफाई का संकेत देता है, लेकिन विपक्ष को मतदाता वंचन का डर भी सता रहा है।

विपक्ष के आरोप : साजिश या वास्तविक चिंता?

विपक्ष, खासकर राजद और कांग्रेस, ने एसआईआर को दलित, ओबीसी, अति पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक, और प्रवासी मजदूरों को निशाना बनाकर एनडीए को लाभ पहुंचाने की साजिश बताया है। राजद नेता तेजस्वी यादव ने इसे ह्लवोटबंदीह्व करार दिया, जबकि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने इसे ह्लवोट चुरानेह्व की कोशिश बताया। उनके प्रमुख आरोप हैं: संदिग्ध समयः 2024 के लोकसभा चुनावों के बाद मजबूत मतदाता सूची होने के बावजूद, चुनाव से कुछ महीने पहले यह अभियान संदेह पैदा करता है।

वर्जनात्मक दस्तावेजीकरण : आधार, राशन कार्ड जैसे सामान्य दस्तावेजों को छोड़कर 11 विशिष्ट दस्तावेजों की शुरूआती मांग को गरीबों और कम पढ़े-लिखे लोगों के लिए वर्जनात्मक माना गया। सुप्रीम कोर्ट ने 10 जुलाई को ईसीआई से इन दस्तावेजों पर पुनर्विचार का आग्रह किया।

वंचन का जोखिम : हाशिए पर रहने वाले समुदाय और प्रवासी मजदूर, जो दस्तावेजों या सत्यापन के लिए उपलब्ध नहीं हो सकते, वंचित हो सकते हैं।

नागरिकता की आशंका : 1987 के बाद जन्मे मतदाताओं से माता-पिता के दस्तावेज मांगने से सीमांचल जैसे क्षेत्रों में ह्लबैकडोर एनआरसीह्व का डर पैदा हुआ है।

विपक्ष ने ह्लबिहार बंदह्व जैसे प्रदर्शनों और सुप्रीम कोर्ट में याचिकाओं के जरिए इसे चुनौती दी, जिसमें संवैधानिक अधिकारों के उल्लंघन का आरोप है।

ईसीआई का बचाव

वहीं, विपक्ष के आरोपों को खारिज करते हुए चुनाव आयोग ने एसआईआर को पारदर्शी और समावेशी बताया, जो अनुच्छेद 326 के तहत स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करता है। आयोग ने राजनीतिक पक्षपात से इनकार करते हुए दावा किया कि 61.1 लाख अयोग्य प्रविष्टियों को हटाना चुनावी धोखाधड़ी रोकने के लिए जरूरी है। 6 जुलाई को दस्तावेजीकरण नियम शिथिल किए गए, और दावे-आपत्ति की अवधि में सुधार की गुंजाइश रखी गई। ईसीआई ने राजनीतिक दलों को चिह्नित मतदाताओं की सूची साझा की और 1.5 लाख बूथ लेवल एजेंट्स को शामिल किया। पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त टी.एस. कृष्णमूर्ति ने इसे प्रवास और शहरीकरण जैसे बदलावों का जवाब बताया।

सियासत या सुधार?

बिहार की सामाजिक-आर्थिक स्थिति - उच्च प्रवास दर (1.76 करोड़ लोग 2003-2024 में बाहर गए) और कम दस्तावेजीकरण - विपक्ष की चिंताओं को कुछ हद तक जायज बनाती है। प्रारंभिक दस्तावेजीकरण प्रतिबंध और एक महीने की समय-सीमा ने संदेह पैदा किया। सुप्रीम कोर्ट का हस्तक्षेप और जद(यू) सांसद गिरिधारी यादव की ह्लतुगलकी फरमानह्व वाली टिप्पणी प्रक्रियात्मक खामियों को रेखांकित करती है। हालांकि, विपक्ष का साजिश का दावा ठोस सबूतों के अभाव में सियासी रणनीति प्रतीत होता है। बिहार में जातिगत गतिशीलता और एनडीए की मजबूत स्थिति को देखते हुए, राजद और कांग्रेस इस विवाद का उपयोग अपने मतदाता आधार को एकजुट करने के लिए कर रहे हैं। ईसीआई के शिथिल नियम और दावे-आपत्ति की अवधि वंचन के जोखिम को कम करते हैं।

पारदर्शिता की आवश्यकता

61.1 लाख मतदाताओं को हटाने की विशालता को देखते हुए, चुनाव आयोग को निर्वाचन क्षेत्र-वार विस्तृत विवरण (मृत, प्रवासित, डुप्लिकेट आदि) सार्वजनिक करना चाहिए। यह राजनीतिक दलों के साथ साझा करना और 30 सितंबर के बाद व्यापक रिपोर्ट जारी करना पारदर्शिता और विश्वास बढ़ाएगा।

समय और नियति

हालांकि चुनाव से पहले एसआईआर का समय और जनवरी 2025 की मतदाता सूची को रद्द करना संदेहास्पद प्रतीत होता है क्योंकि इस अभियान को लोक सभा चुनाव के पूर्व में भी शुरू किया जा सकता था पूर्व आयुक्त ओ.पी. रावत के अनुसार, महाराष्ट्र चुनाव विवाद ने संभवतः चुनाव आयोग को इस विशेष गहन अभियान को शुरू करने के लिए प्रेरित किया हो पर बिहार को इस अभियान को शुरू करने हेतु शुरूआती बिंदु चुनना शंका को स्वाभाविक रूप से आमंत्रित करता है। इन शंकाओं, कुशंकाओं के बीच चुनाव आयोग का जनादेश और कानूनी आधार ठोस है।

निष्कर्ष : लोकतांत्रिक सुधार और विश्वास की चुनौती

एसआईआर चुनावी सुधार के लिए जरूरी है, लेकिन प्रारंभिक प्रक्रियात्मक गलतियां और खराब जनसंचार ने विवाद को जन्म दिया। विपक्ष की चिंताएं आंशिक रूप से जायज हैं, लेकिन साजिश के दावे अतिशयोक्तिपूर्ण हैं। ईसीआई को पारदर्शिता बढ़ाकर और समावेशिता सुनिश्चित करके आशंकाओं को दूर करना चाहिए। बिहार का यह विवाद भारत के लोकतंत्र की परीक्षा है, जो सतर्कता और विश्वास की मांग करता है, ताकि हर पात्र मतदाता की आवाज सुनी जाए।

कारगिल युद्ध के नायकों के वीरता को नमन

- योगेश कुमार गोयल

26 जुलाई को देश कारगिल विजय दिवस की 26वीं वर्षगांठ मनाएगा। भारतीय सेना ने 26 जुलाई 1999 को कारगिल युद्ध में पाकिस्तानी फौज को बुरी तरह धूल चटाई थी। भारत-पाकिस्तान के बीच जम्मू कश्मीर के कारगिल जिले में हुआ वह युद्ध 60 दिनों तक चला था और पाकिस्तान फौज की करारी शिकस्त के बाद 26 जुलाई 1999 को समाप्त हुआ था। पाकिस्तान पर भारत की इस जीत को याद करते हुए 26 जुलाई को ह्यकारगिल विजय दिवसह्न के रूप में मनाया जाता है। पाकिस्तानी सैनिकों और भाड़े के आतंकवादियों को मारकर या खदेड़कर कारगिल की चोटियों पर कब्जा करने के लिए चलाए गए ह्यऑपरेशन विजयह्न के तहत तमाम बाधाओं को पार करते हुए हमारे वीर जांबाजों ने उन्हें कारगिल से खदेड़कर दुर्गम चोटियों पर जीत का परचम लहराया था लेकिन देश को इसकी बहुत भारी कीमत भी चुकानी पड़ी थी। दरअसल उस युद्ध में भारत को विजय दिलाने में भारतीय सेना के सैंकड़ों जवान शहीद हुए थे। कारगिल युद्ध में न केवल भारतीय सेना के 527 सैनिक शहीद हुए थे बल्कि दो महीने तक चले उस युद्ध के दौरान 453 आम नागरिक भी मारे गए थे। इसीलिए भारतीय सेना की उस विजय के बाद सरकार द्वारा प्रतिवर्ष 26 जुलाई को भारतीय सेना के शौर्य दिवस के रूप में कारगिल विजय दिवस मनाए जाने का फैसला लिया गया। सही मायनों में कारगिल विजय दिवस भारतीय सैनिकों के साहस और बलिदान को स्मरण करने तथा उनके बलिदान को सम्मान देने का दिन है और 26 जुलाई का दिन विशेष रूप से देश के इन्हीं वीर सपूतों को समर्पित है। देश के जन-जन तक कारगिल युद्ध के इन्हीं नायकों के शौर्य और पराक्रम की गाथा पहुंचाने के लिए ही यह दिवस मनाया जाता है।

1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के बाद पहली बार कारगिल युद्ध हुआ था, जब दोनों देश सीधे तौर पर सैन्य संघर्ष में शामिल हुए थे। कारगिल युद्ध भारतीय सीमा क्षेत्र में पाकिस्तानी सैनिकों और कश्मीरी आतंकवादियों की घुसपैठ का ही परिणाम था। उस भीषण युद्ध में वायु शक्ति, तोपखाने और पैदल सेना के संचालन का व्यापक उपयोग किया गया था। युद्ध की खास बात यह थी कि वह युद्ध काफी ऊंचाई पर लड़ा गया था, जिसमें कुछ सैन्य चौकियां तो 18 हजार फुट से भी ज्यादा ऊंचाई पर स्थित थी। ऐसे में भारतीय सैनिकों के लिए वह लड़ाई बेहद चुनौतीपूर्ण थी लेकिन हमारे जांबाजों ने देश की आन-बान और शान के लिए अपने प्राणों की आहूति देकर न केवल पाकिस्तान को उसकी असली औकात दिखाई बल्कि 700 से भी ज्यादा पाकिस्तानी सैनिकों को मौत के घाट भी उतारा। दुश्मन को रणनीतिक स्थानों से हटाने के लिए महत्वपूर्ण हवाई हमले करते हुए भारतीय वायुसेना ने उस युद्ध के दौरान बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। भारतीय सेना ने युद्ध के दौरान टोलोलिंग, टाइगर हिल, प्वाइंट 4875 सहित अन्य रणनीतिक चोटियों पर फिर से कब्जा कर लिया था।

कारगिल युद्ध की शुरूआत 26 मई 1999 को भारतीय सेना के हवाई हमले के साथ हुई थी। दरअसल भारतीय सेना को 3 मई 1999 को कारगिल में स्थानीय चरवाहों द्वारा पाकिस्तानी सैनिकों और आतंकवादियों के बारे में सतर्क किया गया था और उसके दो ही दिन बाद 5 मई 1999 को पाकिस्तानी सैनिकों ने भारतीय सेना के कम से कम 5 जवानों को मार डाला था। उसके बाद 10 मई 1999 को भारतीय सेना द्वारा ह्यऑपरेशन विजयह्न की शुरूआत की गई। उस दौरान कारगिल में पाकिस्तानी सेना ने भारतीय सेना के गोला-बारूद भंडार को निशाना बनाया। 26 मई को भारतीय सेना ने पाकिस्तानी सैनिकों पर हवाई हमला किया। 27 मई को भारतीय वायुसेना का एक मिग-27 गिर गया, जिसमें चार क्रू सदस्यों की मौत हो गई लेकिन विमान से बाहर निकलने वाले पायलट को पाकिस्तानी सैनिकों ने युद्धबंदी के रूप में पकड़ लिया। तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने 31 मई 1999 को घोषणा की कि कारगिल में युद्ध जैसी स्थिति है, जिसके बाद अमेरिका, फ्रांस सहित कुछ देशों ने अगले ही दिन भारत के खिलाफ सैन्य कार्रवाई के लिए पाकिस्तान को जिम्मेदार ठहराया। भारतीय सेना ने 5 जून 1999 को कुछ महत्वपूर्ण दस्तावेज जारी किए, जिनसे पूरी दुनिया के समक्ष पाकिस्तान की करतूत का खुलासा हुआ।

भारतीय सेना ने 9 जून 1999 को कारगिल के बटालिक सेक्टर में दो महत्वपूर्ण ठिकानों पर कब्जा कर लिया। अगले ही दिन पाकिस्तान ने जाट रेजिमेंट के 6 सैनिकों के शव क्षत-विक्षत हालत में भारत को लौटाए। 13 जून 1999 को भारत ने युद्ध की दिशा बदलते हुए महत्वपूर्ण टोलोलिंग चोटी पर भी कब्जा कर लिया और प्रधानमंत्री वाजपेयी ने कारगिल का दौरा किया। अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन ने 15 जून 1999 को पाकिस्तान के प्रधानमंत्री नवाज शरीफ से पाकिस्तानी सैनिकों को पीछे हटाने का आग्रह किया लेकिन पाकिस्तान ने उस अपील को अनसुना कर दिया। 11 घंटे के भीषण संघर्ष के बाद भारतीय सेना ने 20 जून 1999 को टाइगर हिल के पास प्वाइंट 5060 और प्वाइंट 5100 पर भी पुनः कब्जा कर लिया। अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन ने 5 जुलाई 1999 को नवाज शरीफ से मुलाकात की, जिसके बाद पाकिस्तान ने कारगिल से पाकिस्तानी सैनिकों को हटाने की घोषणा की। 11 जुलाई 1999 को पाकिस्तानी सैनिकों ने पीछे हटना शुरू किया और भारतीय सेना ने बटालिक की प्रमुख चोटियों पर कब्जा कर लिया। भारतीय सेना ने 14 जुलाई 1999 को ह्यऑपरेशन विजयह्न की सफलता की घोषणा की और 26 जुलाई 1999 को वीर 527 सैनिकों की शहादत के बाद कारगिल युद्ध समाप्त हुआ।

लगातार आ रहा निवेश, मोहन के नेतृत्व में तेजी से आगे बढ़ता मध्यप्रदेश

- हर्षवर्धन पान्डे

देश का हृदयस्थल कहा जाने वाले मध्यप्रदेश डॉ. मोहन यादव के विजनरी नेतृत्व में हाल के वर्षों में औद्योगिक और आर्थिक विकास के क्षेत्र में एक नया गढ़ बनकर उभर रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अपनी दूरदर्शी नीतियों के माध्यम से मध्यप्रदेश में निवेश को आकर्षित करने और औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए अभूतपूर्व कदम उठाए हैं। उनकी इन्वेस्टर्स फ्रैंडली नीतियों और ग्लोबल स्तर पर मध्यप्रदेश की ब्रांडिंग करने की कारगर रणनीति ने राज्य को निवेश का एक प्रमुख केंद्र बना दिया है। डॉ.मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश ने न केवल निवेश के मोर्चे पर अनेक सफलताएं हासिल की है, बल्कि आर्थिक विकास और औद्योगिक नवाचार में भी नई ऊँचाइयाँ छुई हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मध्यप्रदेश को निवेश के लिए अनुकूल बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। उनके नेतृत्व में राज्य सरकार ने अनेक इन्वेस्टर्स फ्रेंडली-मित्र नीतियाँ लागू की हैं, जो निवेशकों को आकर्षित करने में सहायक सिद्ध हुई हैं। मध्यप्रदेश में प्राकृतिक संसाधनों की प्रचुरता, वन संपदा, निरंतर बिजली आपूर्ति और सड़क, रेलवे, व वायु मार्ग का मजबूत नेटवर्क होने के चलते यहाँ पर वर्तमान में निवेशकों के लिए एक आदर्श माहौल मिल रहा है। मोहन सरकार की निवेश नीति निवेशकों के लिए अत्यंत अनुकूल है। यहाँ पर स्टार्ट-अप्स को विशेष प्रोत्साहन और उद्योगों के लिए समयबद्ध अनुमतियाँ सुनिश्चित की जाती हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने निवेश को बढ़ावा देने के लिए क्षेत्रीय स्तर पर इंडस्ट्री कॉन्क्लेव की शुरूआत की जिससे प्रदेश के हर कोने में औद्योगिक विकास को नई गति मिल रही है। उज्जैन, जबलपुर, ग्वालियर, रीवा, सागर , नर्मदापुरम जैसे शहरों में आयोजित इन कॉन्क्लेव्स ने स्थानीय स्तर पर निवेशकों को आकर्षित किया है। आज उद्योगपति मोहन सरकार की निवेश अनुकूल नीतियों की सराहना कर रहे हैं। ये कॉन्क्लेव न केवल राज्य में व्यापक निवेश को प्रोत्साहित कर रहे हैं, बल्कि इससे स्थानीय उद्यमियों और छोटे-मध्यम उद्योगों को भी प्रोत्साहन मिल रहा है। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने एमएसएमई सेक्टर के लिए 5000 करोड़ रुपये के अनुदान की घोषणा की है, जिससे छोटे निवेशकों की बांछे खिली हुई हैं। मोहन सरकार ने अपने कार्यकाल में औद्योगिक विकास के लिए एक विस्तृत रोडमैप तैयार कर लिया है जिसमें औद्योगिक पार्कों को बढ़ावा देने के साथ स्मार्ट औद्योगिक टाउनशिप विकसित करने पर जोर दिया गया है। इस पहल से रोजगार के नए अवसर न केवल मिलेंगे बल्कि राज्य की अर्थव्यवस्था भी मजबूत होगी। हाल ही में लुधियाना में आयोजित इंटरैक्टिव सेशन में एमपी को 15,606 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने मध्यप्रदेश को निवेश के लिए आदर्श गंतव्य बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। भोपाल में आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट इसका जीता जागता उदाहरण रहा जहाँ मोहन का मैजिक इस कदर चला कि इस समिट में 30 लाख 77 हजार करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए जो प्रदेश के आर्थिक विकास की दिशा में एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। इससे पहले भी एमपी में निवेशक सम्मेलन आयोजित होते रहे लेकिन बड़े निवेश के प्रस्ताव राज्य को नहीं मिल पाए। डॉ. मोहन यादव की मजबूत इच्छा शक्ति का परिणाम है कि ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के माध्यम से उन्होनें देश और दुनिया में एमपी की पताका फहरा दी। मध्यप्रदेश में निवेश को बढ़ावा देने के लिए डॉ. मोहन यादव ने ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2025 को एक महत्वपूर्ण मंच बनाया है।

आज का राशिफल

मेष नए संपर्क बनाने से भाग्य बदल सकता है। कार्यस्थल और समाज में आपके मान-सम्मान में वृद्धि होगी।	**तुला** समस्या चल रही है तो उसका सही समाधान न मिलने से आपका मन परेशान रह सकता है।
वृषभ आज आपको कोई भी फैसला सोच-समझकर लेना होगा, अन्यथा नुकसान हो सकता है।	**वृश्चिक** आज विशेष काम करने की योजना बना सकते हैं या तैयारी में भी लगे रह सकते हैं।
मिथुन समस्याएं परेशान कर रहीं थीं, तो अब वे दूर हो सकती हैं या आपको समाधान मिल सकता है।	**धनु** आपका धन कहीं रुका हुआ था या देरी हो रही थी तो अब अचानक से सारी बाधाएं दूर हो सकती हैं।
कर्क लेकिन आपके लिए उन पर ध्यान देने की बजाए अपने काम में लगा रहना ज्यादा बेहतर होगा।	**मकर** आज अपने वरिष्ठ अधिकारियों से आपकी अनबन हो सकती है। ऐसे में वाणी पर संयम रखें।
सिंह आज निजी जीवन में अपने विरोधियों से बचने की जरूरत है। आपके खिलाफ कोई योजना बना सकते हैं।	**कुंभ** सफलता के अच्छे योग बने हुए हैं। वाहन, या भूमि खरीदने का भी शुभ संयोग बन सकता है।
कन्या विपरीत परिस्थितियां उत्पन्न होती हैं तो आपको अपने क्रोध पर नियंत्रण रखना होगा।	**मीन** व्यापार या नौकरी में किसी खास उपलब्धि के चलते आपका मन प्रसन्न रहेगा और सुकून महसूस होगा।

विशेष

विमान दुर्घटना में बोइंग कंपनी को बचा रही सरकार?

अहमदाबाद की विमान दुर्घटना में सैकड़ो यात्रियों और जहां विमान गिरा। वहां के लोगों की मौत हुई। विमान दुर्घटना की जांच मैं कामर्शियल पायलटों को नहीं रखा गया। जांच रिपोर्ट का खुलासा अमेरिका के अंतरराष्ट्रीय मीडिया में हुआ। अमेरिका की सरकार, बोइंग कंपनी, अमेरिका का मीडिया,बोइंग कंपनी को बचाने षड्यंत्र रच रहा है। जो पायलट भगवान को प्यारे हो गए हैं। उनके ऊपर दोष मडा जा रहा है। अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप का भारत सरकार पर दबाव है। भारत सरकार जिस विमान दुर्घटना में 260 यात्री मारे गए 18 से अधिक अन्य लोगों की मौत हुई। गुजरात की घटना होने के बाद भी प्रधानमंत्री का मौन सभी को आश्चर्य में डाल रहा है। चर्चा हो रही है कि मोदी जी की ऐसी क्या मजबूरी है।

अमरनाथ यात्रा में प्रकृति का प्रकोप, यात्रा रुकी, किसकी पनौती

अमरनाथ यात्रा के रास्ते में भू स्खलन होने तथा खराब मौसम के चलते अमरनाथ यात्रा का मार्ग अवरुद्ध हो गया है। यात्रियों को सुरक्षित रखने के लिए यात्रा को रोक दिया गया है। जम्मू कश्मीर में लगातार बारिश हो रही है। एक महिला तीर्थ यात्री की मौत हो गई है। जब समय अच्छा नहीं होता है, तब हर तरफ से मुसीबतें आती हैं। पहलगाम हमले के बाद जम्मू कश्मीर का पर्यटन पहले से ही बंद पड़ा हुआ है। अमरनाथ यात्रा मैं प्रगति की मार पड़ रही है। पहलगाम की घटना, ऑपरेशन सिंदूर के बाद अमरनाथ यात्रा भी सरकार के लिए चुनौती बन गई है।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1563: फ्रांस ने अंग्रेजों से ली हार्वे पुनः छीन लिया. 1821: रूस ने तुर्की से संबंध तोड़ लिए. 1856 :आयरिश नाटककार जार्ज बर्नार्ड शा का जन्म हुआ. 1891: फ्रांस ने ताहिती द्वीप पर कब्जा किया. 1926: फिलीपींस की संसद ने स्वाधीनता के मसले पर जनमत संग्रह का आह्वान किया जिस पर अमरीका ने वीटो का प्रयोग किया. 1942: ब्रिटिश वायुसेना ने द्वितीय विश्व युद्ध में हैम्बर्ग पर जबरदस्त बमबारी की. 1945: द्वितीय विश्व युद्ध में ब्रिटेन अमरीका और चीन ने जापान से बिना शर्त समर्पण की मांग की. 1952: मिस्त्र के शाह फारुख ने गद्दी छोड़ी. 1956: मिस्त्र के राष्ट्रपति गमाल अब्दुल नासिर ने स्वेज नहर का राष्ट्रीयकरण किया. 1974: यूनान में सात साल के सैनिक शासन के बाद कांस्टेटइन कारमैनलिस ने सरकार का गठन किया.

दैनिक पंचांग

जुलाई 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कर्क में	सिंह	07.07 बजे से
चंद्र	कर्क में	कन्या	09.18 बजे से
मंगल	सिंह में	तुला	11.29 बजे से
बुध	कर्क में	वृश्चिक	13.44 ब.से
गुरु	मिथुन में	धनु	16.00 बजे से
शुक्र	वृष में	मकर	18.05 बजे से
शनि	मीन में	कुंभ	19.51 बजे से
राहु	कुंभ में	मीन	21.24 बजे से
केतु	सिंह में	मेष	22.55 बजे से
राहुकाल 9.00 से 10.30 बजे तक		वृष	00.35 बजे से
		मिथुन	02.33 बजे से
		कर्क	04.46 बजे से

2025 वर्ष का 207 वा दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** श्रावण **पक्ष** शुक्ला **तिथि** द्वितीया 22.43 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** आश्लेषा 15.52 बजे को समाप्त। **योग** सिद्धि (असृक) 05.32 बजे तदनन्तर व्यतीपात 04.06 बजे रात्र को समाप्त। **करण** बालव 10.58 बजे तदनन्तर कौलव 22.43 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 01.2 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 19° 25' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872417 **जूलियन दिन** 2460882.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** मोहर्रम **तारीख** 30 **विशेष** चंद्र दर्शन।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
काल	05.55 से	07.23 बजे तक	लाभ	05.37 से	07.10 बजे तक
शुभ	07.23 से	08.51 बजे तक	उद्वेग	07.10 से	08.42 बजे तक
रोग	08.51 से	10.19 बजे तक	शुभ	08.42 से	10.14 बजे तक
उद्वेग	10.19 से	11.46 बजे तक	अमृत	10.14 से	11.47 बजे तक
चर	11.46 से	01.14 बजे तक	चर	11.47 से	01.19 बजे तक
लाभ	01.14 से	02.42 बजे तक	रोग	01.19 से	02.51 बजे तक
अमृत	02.42 से	04.10 बजे तक	काल	02.51 से	04.23 बजे तक
काल	04.10 से	05.37 बजे तक	लाभ	04.23 से	05.56 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

वर्कप्लेस क्राइसेस से इन तरीकों से डील करें

ऐसे समय के दौरान जिम्मेदारी संगठनात्मक नेतृत्व की होती है कि आगे की योजना तैयार करे और कर्मचारियों को आश्वस्त करें।

वर्कप्लेस पर क्राइसेस अनेक रूप ले सकता है। यह प्रतिष्ठा को लेकर या मुकदमेबाजी का मुद्दा हो सकता है या फिर प्राकृतिक आपदा। यह भी हो सकता है कि रिवेन्यू में कमी होने से कॉस्ट कटिंग और डाउनसाइजिंग का दौर चले। ऐसे समय के दौरान जिम्मेदारी संगठनात्मक नेतृत्व की होती है कि आगे की योजना तैयार करे और कर्मचारियों को आश्वस्त करें।

पारदर्शिता

आतंरिक या बाह्य किसी भी तरह के क्राइसेस में कर्मचारियों को चिंता होती है कि वह किस तरह से प्रभावित होंगे। उनके साथ स्पष्ट रूप से संवाद किया जाए और बड़ी खबरें न छुपाई जाए। क्राइसेस को लेकर पारदर्शी रहे और सावधानी से काम करें।

विश्वास रखें

एक लीडर के रूप में आपसे उम्मीद की जाती है कि वर्कप्लेस क्राइसेस से निपटने के लिए आप कॉन्फिडेंट रहें। जहां भी आवश्यक हैं, वहां हस्तक्षेप करें और समाधान के लिए हटकर सोचने से डरे नहीं।

ईमानदार रहें

व्यक्तिगत रूप से कर्मचारियों से मिलें और उन्हें निश्चिंत करें कि इस संकट आप उनका ध्यान रखेंगे। ईमानदारी से स्थिति बयां करते हुए जरूरी एक्शंस को लेकर उनसे बात करें।

मदद मांगने में न हिचकें

अपने कर्मचारियों के पास जाएं और उनसे सलाह मांगे। ऐसा करना आपकी लीडरशिप पर सवाल नहीं है बल्कि यह एक अच्छा तरीका है जिसमें क्राइसेस के समय कर्मचारियों को अपना योगदान देने में गर्व ही महसूस होगा।

ये आदतें दिलाएंगी आईएएस में सफलता

अगर आप आईएएस परीक्षा में सफलता पाना चाहते हैं, तो आपको यह बताने की जरूरत नहीं कि पढ़ाई के लिए टाइमटेबल बनाना कितना जरूरी है। आपका टाइमटेबल ऐसा हो, जो पढ़ाई के घंटों, आराम, फिजिकल एक्टिविटी और सोशल लाइफ सभी के बीच संतुलन बनाकर चले। सारा समय सिर्फ पढ़ाई करते रहने से एकरसता आ जाएगी और पढ़ाई में आपका मन ही नहीं लगेगा। इसके साथ ही, आप दो-तीन अलग-अलग टाइम शेड्यूल बना लें, जिनमें आपकी पढ़ाई के दैनिक, साप्ताहिक और मासिक लक्ष्य निर्धारित हों। इससे आप अपनी तैयारी की निगरानी कर पाएंगे और जहां जरूरी हो, वहां सुधार ला पाएंगे।

कॉन्सेप्ट क्लियर रखें

आईएएस परीक्षा का सिलेबस बहुत वृहद है और किसी विषय की पूरी लंबाई-चौड़ाई नाप डालता है। ऐसे में कई उम्मीदवार तथ्यों को रट लेते हैं, बजाय उनका कॉन्सेप्ट समझने के। यह तरीका बिल्कुल गलत है। हमारी याददाश्त केवल एक सीमित डेटा ही स्टोर कर सकती है और यह भी समय के साथ धूमिल पड़ती जाती है। इसलिए यह बहुत जरूरी है कि आप जो भी पढ़ें, उसकी मूल अवधारणा को गहराई से समझें। अगर आप किसी टॉपिक को अच्छी तरह समझ लेंगे, तो उससे जुड़ी तमाम जानकारी अच्छी तरह याद भी रख पाएंगे।

राइटिंग स्किल विकसित करें

कई आईएएस उम्मीदवार केवल प्रिलिमिनरी एग्जाम पर ही फोकस करते हैं, जोकि ऑब्जेक्टिव टाइप परीक्षा है। शुरू-शुरू में यह रणनीति सही लग सकती है लेकिन आगे चलकर आपको अहसास होगा कि यह गलत है। आईएएस की मेन परीक्षा परंपरागत सब्जेक्टिव टाइप परीक्षा है, जिसमें आपको हाथ से उत्तर लिखने होंगे। इसलिए अगर आप मेन परीक्षा में भी सफल होना चाहते हैं, तो बेहतर होगा कि आप प्रिलिम्स स्तर से ही अपनी राइटिंग स्किल में निखार लाना शुरू कर दें। कई जानकारों का मत है कि लिखकर पढ़ाई करना न सिर्फ तथ्यात्मक सूचनाओं को याद रखने के सबसे अच्छे तरीकों में से एक है, बल्कि यह उत्तरों का फॉर्मेट विकसित करने में भी मददगार है, जोकि मेन परीक्षा में लाभ देता है।

अखबारों से दोस्ती

अखबार किसी आईएएस उम्मीदवार के सबसे अच्छे दोस्त होते हैं। आपको रोज अखबार पढ़ने की आदत डालनी ही चाहिए। मगर इतना ही काफी नहीं है। आपको उन टॉपिक्स की पहचान

भी होनी चाहिए, जिन पर आपको ज्यादा फोकस करना है। अखबार पढ़ना शुरू करने से पहले खुद से पूछें कि आपको क्या पढ़ना चाहिए, क्यों पढ़ना चाहिए और कहां पढ़ना चाहिए। इस प्रकार आप वही पढ़ेंगे, जो पढ़ना जरूरी है और रोज-ब-रोज आवश्यक सूचनाएं इकट्ठी करते चलेंगे।

सरकारी वेबसाइट्स पर नजर

अधकिांश आईएएस उम्मीदवारों का इस बात पर ध्यान ही नहीं जाता कि सरकारी वेबसाइट्स नीतियों, योजनाओं, कार्यक्रमों, डेटा और रिपोर्टों का सरल, सुगम स्रोत हैं। इन वेबसाइट्स का अध्ययन कर आप जो सूचनाएं पाएंगे और जो समझ विकसित करेंगे, वह प्रिलिम्स और मेन्स दोनों में लाभदायक रहेगी।

क्वॉलिटी डिस्कशन

किसी आईएएस उम्मीदवार को अपने साथी उम्मीदवारों और टीचर्स व कोचिंग इंस्ट्रक्टर्स के साथ स्वस्थ और उच्च कोटि के डिस्कशन करते रहना चाहिए। इन चर्चाओं में किसी एक टॉपिक पर फोकस करें, उसे अलग-अलग नजरियों से देखें और अपनी बात को प्रामाणिक डेटा के आधार पर आगे बढ़ाएं। किसी टॉपिक पर अलग-अलग नजरिये सामने आने पर आप परीक्षा में अधकि संतुलित और परिपूर्ण उत्तर दे पाएंगे। ऐसे किसी डिस्कशन ग्रुप का सदस्य बनने से पढ़ाई के लिए प्रेरणा भी मिलती रहती है। साथ ही इससे इंटरव्यू की तैयारी में भी मदद मिलती है।

प्रॉब्लम सॉल्विंग एटिट्यूड

परीक्षा में सफल होने के लिए ही नहीं, आईएएस अधिकारी के रूप में काम करने के दौरान भी आपको प्रॉब्लम सॉल्विंग स्किल की दरकार होगी। आपके सामने कई चुनौतियां आएंगीं, जिनसे आपको नई-नई तकनीकों से निपटना होगा। आपको वृहद सिलेबस को पढ़ने, टाइम मैनेजमेंट, संसाधनों, पियर प्रेशर, समाज के प्रेशर आदि की चुनौतियों से जूझना पड़ सकता है। ऐसी स्थितियों में आपका प्रॉब्लम सॉल्विंग एटिट्यूड ही काम आएगा।

अपने टीचर खुद बनें

आईएएस की तैयारी करना बहुत लंबा और थका देने वाला काम है। इसका सिलेबस मानो लगातार बढ़ता जाता है और समय लगातार कम होता जाता है। ऐसे में किसी एक टीचर, गाइड, मेंटर या किसी एक कोचिंग क्लास मटेरियल पर निर्भर रहने से बात नहीं बनने वाली। आपको खुद अपना टीचर बनना होगा। आप खुद ही प्रश्न तैयार करें और रेफरेंस तथा स्टडी मटेरियल के इस्तेमाल से उनके उत्तर तलाशें। टीचर और स्टूडेंट दोनों की भूमिकाएं खुद निभाने से आपके भीतर आत्मविश्वास का भी संचार होगा, जो परीक्षा में और उसके बाद भी काम आएगा।

स्वस्थ जीवनशैली

'केवल काम, नहीं आराम' की नीति आईएएस की तैयारी में कारगर नहीं हो सकती। ढेर सारी किताबों के साथ खुद को कमरे में बंद करके आज तक कोई आईएएस परीक्षा क्लियर नहीं कर पाया है। आपको अपने स्वास्थ्य, मनोरंजन तथा सामाजिक जीवन पर भी ध्यान देना चाहिए। योग, ध्यान या फिर रनिंग, स्पोर्ट्स आदि के लिए रोज समय जरूर निकालें। पौष्टिक भोजन और रोज कम से कम 8 घंटे की नींद लें। परिवार के साथ तो समय बिताएं ही, ऐसे दोस्त भी बनाएं जिनके लक्ष्य आपसे मिलते-जुलते हों। इससे आपका फोकस बना रहेगा और आपको प्रेरणा मिलती रहेगी।

कोई परीक्षा कितनी टफ है, यह जानने के लिए उसके सक्सेस रेशो को देखना चाहिए। इस मापदंड से सिविल सर्विसेज एग्जाम या आईएएस एग्जाम को सबसे कठिन परीक्षा कहा जा सकता है। इसका सक्सेस रेशो 0.1 प्रतिशत है! ऐसी परीक्षा में सफलता पाने के लिए केवल प्रतिबद्धता, तैयारी और किस्मत ही काफी नहीं होती। इसके लिए जरूरी हो जाता है कि उम्मीदवार आईएएस की तैयारी को अपनी जीवनशैली ही बना डाले।पहले-पहल यह बहुत बोझिल लग सकता है लेकिन यदि आप आईएएस परीक्षा को क्लियर करने को लेकर समर्पित और गंभीर हैं, तो इसकी तैयारी का इससे बेहतर कोई तरीका नहीं है। आईएएस की तैयारी को अपनी जीवनशैली में शामिल करने के लिए जरूरी है कि आप इन दस आदतों को अपना लें।

प्रतिबद्धता और समर्पण

आईएएस परीक्षा में सफलता का सफर बहुत लंबा और मुश्किल है। आपकी प्रतिबद्धता ही इस सफर को पूरा करने में आपके काम आएगी। आपके सामने ऐसी कई चुनौतियां और समस्याएं आएंगीं, जिनसे आपके कदम डगमगा सकते हैं। कई ऐसे युवा भी हैं, जिन्होंने आईएएस की तैयारी में 5 से 7 साल लगा देने का बाद सामाजिक दबाव या फिर लगातार नाकामी के चलते हार मान ली। ऐसी तमाम चुनौतियों के बावजूद, यह भी सच है कि हर साल मुट्ठी भर उम्मीदवार अपनी इच्छाशक्ति के बल पर इस परीक्षा को क्रैक कर ही लेते हैं। इसके लिए जरूरी है कि आपको खुद पर विश्वास हो और अपने लक्ष्य के प्रति आपमें समर्पण हो।

इन तरीकों से दूर कर सकते हैं अपनी कमजोरियां

कई बार हम बिना सोचे-समझे दूसरों की आलोचना कर देते हैं लेकिन ऐसा करते हुए हम यह नहीं सोचते कि इसका परिणाम क्या होगा। दूसरों की आलोचना पर ध्यान देने या उनकी कमियां निकालने में समय गंवाने के बजाय हमें खुद को सशक्त बनाने पर ध्यान देना चाहिए। अपने आप को कमजोर या हीन समझने के बजाय यह देखें कि आखिर वह कौन-सी खासियत है, जो आपके भीतर है, जिसे आगे बढ़ाकर आप कामयाबी के शिखर की तरफ बढ़ सकते हैं। कभी भी यह न सोचें कि आपके भीतर कोई हुनर नहीं है। अगर आपको लगता है कि वाकई कोई अच्छाई आपमें नहीं है, तो किसी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले जरा ठहरें। कुछ दिन पूरी एकाग्रता के साथ आत्म-मंथन करें। अपनी रुचियों, आदतों, व्यवहार, बातचीत, प्रतिक्रिया आदि पर ध्यान दें। आपको जरूर पता चल जाएगा कि आप में कौन-सी अच्छाई है। अगर फिर भी समझ में नहीं आता, तो घर के किसी समझदार सदस्य, अध्यापक या फिर काउंसलर की मदद से खुद की ताकत को जानें-समझें। इससे आपको अपनी पसंद के क्षेत्र में आगे बढ़ने में मदद मिलेगी।

घबराएं न हार से

अगर आप कभी किसी परीक्षा या टेस्ट में फेल हो जाते हैं, किसी टीम का हिस्सा होते हुए भी बेहतर परफॉर्म नहीं कर पाते या फिर किसी वजह से शर्मिंदा होना पड़ता है, तो ऐसी स्थिति में भी धैर्य बनाए रखें। हताश बिल्कुल न हों। खुद को संयत रखें। फिर यह सोचें कि आखिर आप असफल क्यों हुए? आपसे कहां चूक हो गई? आपने गलती कहां की? अपनी हार या असफलता में छिपे कारणों को ढूंढें। जब तक आप उन कारणों को ढूंढकर उन्हें दूर करने का प्रयत्न नहीं करेंगे, कामयाबी आपसे दूर ही रहेगी। अगर आप खुद को विजेता के रूप में देखता चाहते हैं, तो अपनी कमियों-कमजोरियों को ढूंढकर उन्हें यथाशीघ्र दूर करें। याद रखें, दुनिया में ऐसे बहुत कम कामयाब लोग होंगे, जिन्होंने कभी असफलता का स्वाद नहीं चखा होगा। कामयाबी के शिखर पर पहुंच चुके तमाम लोगों को अपने प्रयासों में कई बार हार मिली। चाहे बल्ब के आविष्कारक थॉमस एडिसन हों या फिर नए संसार की खोज में निकले कोलंबस और वास्को-डि-गामा जैसे लोग। बार-बार की असफलता के बावजूद ऐसे उत्साही लोगों ने उम्मीद का दामन नहीं छोड़ा। आखिर एक दिन ऐसा आ ही गया, जब उन्हें कामयाबी मिली और दुनिया भर ने उनका लोहा माना। अगर आप भी किसी परीक्षा या प्रतियोगिता में असफल हो जाते हैं, तो इसे जिंदगी का आखिरी इम्तेहान समझने के बजाय इस बात पर विचार करें कि आखिर किन कमियों के कारण आपको सफलता नहीं मिल सकी। इन कमियों को दूर कर फिर दोगुने उत्साह के साथ प्रयास करें।

आत्ममुग्धता से बचें

अक्सर यह भी देखने में आता है कि छोटी-छोटी सफलताएं पाकर हम आत्ममुग्ध हो जाते हैं। इसका नतीजा यह होता है कि बड़े लक्ष्य को पाने के लिए किए जाने वाले हमारे प्रयास शिथिल पड़ने लगते हैं। कई बार हम खुद को बेहद काबिल मानकर यह सोच लेते हैं कि हमें सफलता तो मिल ही जाएगी। मगर जब ऐसा नहीं होता और असफलता हाथ लगती है, तो हमें शॉक लगता है। तब हमें एहसास होता है कि काश दूसरों की तारीफों के कारण हम आत्ममुग्धता के शिकार न हुए होते।

सकारात्मकता का साथ

आप चाहे पढ़ाई कर रहे हों या नौकरी, अपनी सोच को हर समय सकारात्मक बनाए रखें। परिस्थितियां चाहे कैसी भी हों, संघर्ष चाहे जितना करना पड़े, सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ेंगे, तो इसके अच्छे परिणाम भी जरूर दिखेंगे। किसी के बारे में बुरा सोचने या उसकी निंदा करने के बजाय अच्छा सोचें, अच्छा करें। दूसरे क्या कर रहे हैं या क्या नहीं कर रहे हैं, इस पर नजर रखने के बजाय हमेशा अपने दायित्व को पूरा करने पर ध्यान दें। अपने काम में नित नई पहल करते हुए जिम्मेदारी के साथ आगे बढ़ेंगे, तो सफलता भी मिलेगी और नई पहचान भी बनेगी।

भीषण गर्मी बिगाड़ रही बजट

2024 में 80 फीसदी से ज्यादा बढ़े प्याज-आलू के दाम; बढ़ेगी आर्थिक असमानता

नई दिल्ली, एजेंसी। जलवायु परिवर्तन और भीषण गर्मी के कारण भारत में बीते साल खाद्य कीमतों में बेतहाशा उछाल देखा गया।खास तौर पर प्याज और आलू की कीमतों में 2024 की दूसरी तिमाही में 80 फीसदी से अधिक की बढ़ोतरी दर्ज की गई, जिसने आम लोगों का बजट बिगाड़ दिया। यह खुलासा एक अंतरराष्ट्रीय अध्ययन में हुआ है, जिसका नेतृत्व बार्सिलोना सुपरकंप्यूटिंग सेंटर के मैक्सिमिलियन कोट्ज ने किया हैं।

अध्ययन में यूरोपीय सेंट्रल बैंक, पॉट्सडैम इंस्टीट्यूट फॉर क्लाइमेट इम्पैक्ट रिसर्च और यूके के फूड फाउंडेशन के विशेषज्ञ भी शामिल थे। इसमें 2022 से 2024 के बीच 18 देशों में जलवायु से जुड़ी 16 खाद्य वस्तुओं की कीमतों पर असर का विश्लेषण किया

गया। इसमें पाया गया कि इनमें से कई घटनाएं 2020 से पहले के सभी ऐतिहासिक उदाहरणों से कहीं ज्यादा थीं और ग्लोबल वार्मिंग से काफी प्रभावित थीं। विशेषज्ञों ने बताया कि भारत में मई में आई भीषण गर्मी ने फसलों की पैदावार और आपूर्ति श्रृंखलाओं को बुरी तरह प्रभावित किया।इससे सब्जियों की कीमतों में भारी वृद्धि हुई। प्याज और आलू के दाम 80 फीसदी से ज्यादा बढ़ गए।अध्ययन में चेतावनी दी गई है कि खाद्य पदार्थों की कीमतों में ऐसे उतार-चढ़ाव से कुपोषण बढ़ सकता है।

दाम बढ़ने से कम आय वाले परिवार प्रभावित

कोट्ज ने कहा, खाने-पीने की वस्तुओं की बढ़ती कीमतों का खाद्य सुरक्षा पर सीधा प्रभाव पड़ता है ।खासकर कम आय वाले परिवारों पर । खाद्य पदार्थों की कीमतें जब बढ़ती हैं, तो कम आय वाले परिवारों को अक्सर कम पौष्टिक और सस्ती खाद्य वस्तुओं का सहारा लेना पड़ता है । इस तरह के आहार कैंसर, मधुमेह और हृदय रोग जैसी कई स्वास्थ्य स्थितियों से जुड़े हुए हैं ।

उच्च महंगाई से चुनाव नतीजों पर भी असर- शोधकर्ताओं ने कहा, जलवायु परिवर्तन के कारण खाद्य कीमतें मुख्य महंगाई को भी बढ़ा सकती हैं ।इससे केंद्रीय बैंकों के लिए मूल्य स्थिरता बनाए रखना मुश्किल हो जाता है ।खासकर विकासशील देशों में जहां घरेलू बजट में खाद्य उत्पादों का बड़ा हिस्सा होता है । यही नहीं, उच्च महंगाईचुनाव परिणामों को सीधे प्रभावित कर सकती हैं ।लोकलुभावन दलों के लिए समर्थन बढ़ा सकती हैं ।

आरबीआई के आंकड़े: बैंक जमा दोगुना बढ़कर हुआ 3.79 लाख करोड़

डिजिटल लेन-देन के बाद भी देश में नकदी की कमी नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। डिजिटल चलन में तेजी के बावजूद देश के पास लबालब नकदी है। भारतीय रिजर्व बैंक यानी आरबीआई के मुताबिक, कर्ज देने और वास्तविक दोनों अर्थव्यवस्था में यह नकदी है। बैंकों के चालू और बचत खातों में जमा राशि जून के अंत तक दोगुनी से ज्यादा बढ़कर 3.79 लाख करोड़ रुपये हो गई।

आरबीआई के आंकड़े बताते हैं कि सिर्फ बैंक ही नहीं, लोगों के पास भी भरपूर नकदी है। जनता के पास मौजूद 31,000 करोड़ रुपये से बढ़कर 91,000 करोड़ रुपये की नकदी हो गई है। यह वृद्धि नीतिगत उपायों के प्रभाव के कारण हुई है। केंद्रीय बैंक ने नकदी को आसान बनाने के लिए उपाय किए थे। ग्रामीण गतिविधियों में तेजी मुख्य रूप से नकदी पर आधारित है। साथ ही कर में रियायत भी इस नकदी का एक प्रमुख कारण है। नकदी की यह बहार ग्रामीण अर्थव्यवस्था में बढ़ती गतिविधियों से ज्यादा जुड़ी है। यह ग्रामीण खपत में वृद्धि के साथ मेल खाती है। इससे पता चलता है कि गांवों में आर्थिक गतिविधियों में मजबूत सुधार हो रहा है। जमा में बढ़ोतरी आरबीआई की ओर से खुले बाजार परिचालन (ओएमओ) खरीद के जरिये पर्याप्त तरलता प्रवाह को दर्शाती है।

कई कारकों से नकदी में हो रही है वृद्धि

नकदी की इस वृद्धि को कई कारकों से बल मिला है । इनमें बेहतर कृषि उत्पादन, मनरेगा जैसी रोजगार योजनाओं से मिलने वाली उच्च मजदूरी और जन धन खातों में सीधे दी जाने वाली सरकारी सब्सिडी शामिल हैं ।

इसके अतिरिक्त, जरूरी वस्तुओं की कीमतों में कमी से ग्रामीण खरीद शक्ति बढ़ी है । इससे नकदी प्रवाह और खपत में वृद्धि हुई है । ग्रामीण भारत में नकदी का उपयोग अभी भी बड़े पैमाने पर हो रहा है । हालांकि, यूपीआई जैसे डिजिटल भुगतान भी अधिक लोकप्रिय हो रहे हैं ।

अनिल अंबानी की अगुवाई वाली 2 कंपनियों के शेयरों का भाव लुढ़का

नई दिल्ली, एजेंसी। रिलायंस पावर लिमिटेड और रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के शेयरों की कीमतों में शुक्रवार को लगातार दूसरे कारोबारी दिन गिरावट देखने को मिली थी । रिलयांस पावर के शेयर 5 प्रतिशत की गिरावट के बाद 56.72 रुपये के लेवल पर बंद हुआ

था । वहीं, रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के शेयर भी 5 प्रतिशत की गिरावट के बाद 342.05 रुपये के लेवल पर आ गया था । बता दें, हालिया गिरावट के बाद भी रिलांयस पावर और रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयरों में क्रमश : 54.47त्न और 37.01 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है ।

ईडी के रेड के बाद लुढ़के शेयर- अनिल अगुवाई वाली इन कंपनियों के शेयरों का भाव ईडी के रेड के बाद देखने को मिला है । अनिल धीरू भाई अंबानी ग्रुप ने दिए जवाब में कहा ईडी के एक्शन का खंडन किया है । समूह ने बताया है कि यह जांच आठ साल पहले हुए यस बैंक और रिलायंस होम फाइनेंस से जुड़ा लेने-देन से जुड़ा था । ग्रुप ने दिए बयान में कहा, यस बैंक के प्रमोटर्स की कुछ कंपनियों के द्वारा रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड को लोन दिया गया था । यह लोन सभी प्रक्रियाओं का पालन करते हुए दिया गया था । यह लोन पूरी तरह से सिक्योर्ड थे । साथ ही इसे ब्याज सहित पूरी तरह से चुका दिया गया है । और बकाया राशि भी जीरो हो गई

दूसरी बार हो रहा है कंपनी के शेयरों का बंटवारा, रिकॉर्ड डेट का हुआ ऐलान

नई दिल्ली, एजेंसी। देव इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी लिमिटेड के शेयरों का बंटवारा फिर से होने जा रहा है । कंपनी ने एक्सचेंज को इसकी जानकारी दी है । कंपनी ने एक्सचेंज को स्टॉक स्प्लिट के लिए रिकॉर्ड डेट का ऐलान कर दिया है । जोकि अगले महीने है ।

कब है रिकॉर्ड डेट- एक्सचेंज को दी जानकारी में देव इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी लिमिटेड ने बताया है कि 5 रुपये के फेस वैल्यू वाले एक शेयर को बंटवारा किया जाएगा । इस स्टॉक स्प्लिट के बाद कंपनी के शेयरों की फेस वैल्यू घटकर 2 रुपये प्रति शेयर हो जाएगा । बता दें,

इस स्टॉक स्प्लिट के लिए रिकॉर्ड डेट 21 अगस्त 2025 तय हुई है । यानी इस दिन शेयरों का बंटवारा हो जाएगा ।

2022 में कंपनी के शेयरों का बंटवारा हुआ था- इससे पहले कंपनी ने 2022 में शेयरों का बंटवारा किया था । तब कंपनी के शेयरों को 2 हिस्सों में बांटा गया था । जिसके बाद कंपनी के शेयरों की फेस वैल्यू घटकर 5 रुपये प्रति शेयर हो जाएगा । बता दें, कंपनी आखिरी बार निवेशकों को 2024 में डिविडेंड दिया था । तब कंपनी ने एक शेयर पर 0.25 रुपये का डिविडेंड दिया था ।

शेयर बाजार में कंपनी का प्रदर्शन कैसा- शुक्रवार को बाजार के बंद होने के समय पर 1.21 प्रतिशत की गिरावट के बाद 114.25 रुपये के लेवल पर बंद हुआ था । बीते एक महीने के दौरान कंपनी के शेयरों की कीमतों में 6.33 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है । हालांकि, 6 महीने से होल्ड करने वाले निवेशकों को 27 प्रतिशत का नुकसान हो चुका है । वहीं, एक साल में यह स्टॉक 20 प्रतिशत टूट चुका है । बता दें, कंपनी का 52 वीक हाई 191 रुपये है ।

अमेरिका-ओमान तक पहुंची स्टील की सड़क की भारतीय तकनीक

2 ट्रिलियन के बाजार में 1 करोड़ जॉब्स

नई दिल्ली, एजेंसी। वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) और सेंट्रल रोड रिसर्च इंस्टीट्यूट (सीआरआरआई) की स्टील स्लैग तकनीक से बनाई जाने वाली सड़क का फार्मूला, अब अमेरिका के शिकागो व ओमान तक जा पहुंचा है। इन देशों में भारत के उक्त संस्थानों द्वारा बनाई गई तकनीक से स्टील स्लैग रोड बनाए जा रहे हैं। सीआरआरआई के मुख्य वैज्ञानिक सतीश पांडे ने बताया, स्टील स्लैग रोड तकनीक भारत के सड़क अवसंरचना क्षेत्र के लिए एक गेम चेंजर है। इससे भारत की सर्कुलर इकॉनॉमी की दिशा को गति मिलेगी। सतीश पांडे के मुताबिक, इसके माध्यम से वर्ष 2050 तक 2 ट्रिलियन से अधिक का बाजार खड़ा होने की संभावना है। ऐसे में लगभग एक करोड़ नौकरियां उत्पन्न हो सकती हैं।

देश में प्रतिवर्ष 19 मिलियन टन से अधिक स्टील स्लैग होता है उत्पन्न- देश में प्रतिवर्ष 19 मिलियन टन से अधिक स्टील स्लैग उत्पन्न होता है। बिना प्रोसेस किए स्लैग का उपयोग इस पर आधारित निर्माण सामग्री की यांत्रिक गुणवत्ता और दीर्घकालिक स्थिरता को खतरे में डालता है।

- **इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास में वेस्ट-टू-वेल्थ की संभावना होगी पैदा-** एएम/एनएस इंडिया के वरिष्ठ पदाधिकारी, रंजन धर के अनुसार, यह तकनीक सड़क इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास में वेस्ट-टू-वेल्थ की संभावनाओं का सफलतापूर्वक अनलॉक होगा । विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अंतर्गत कार्यरत देश की अग्रणी वैज्ञानिक संस्था से प्राप्त यह लाइसेंस, सर्कुलर इकॉनॉमी और भारत के नेट-ज़ीरो लक्ष्य की दिशा में कंपनी के नेतृत्व को और अधिक मजबूती प्रदान करता है । व्यापक उपयोग के साथ यह तकनीक प्राकृतिक एग्रीगेट्स को प्रतिस्थापित करने की क्षमता रखती है, जिससे पर्यावरणीय प्रभाव कम होगा और प्राकृतिक संसाधनों पर बोझ भी घटेगा ।

मौजूदा समय में प्रतिवर्ष 1.2 बिलियन एग्रीगेट की खपत हो रही है

मुख्य वैज्ञानिक सतीश पांडे ने शुक्रवार को बताया कि किसी भी सड़क के निर्माण में मुख्य सामग्री नेचुरल एग्रीगेट होता है । मौजूदा समय में प्रतिवर्ष 1.2 बिलियन एग्रीगेट की खपत हो रही है । आने वाले समय में इस एग्रीगेट की खपत बहुत तेजी से बढ़ेगी । इससे पर्यावरण को भी नुकसान होता है, क्योंकि इसके लिए कहीं तो माइनिंग करनी ही पड़ेगी । स्टील स्लैग रोड तकनीक से पर्यावरण को बचाया जा सकता है । किसी भी सड़क के निर्माण में 95 प्रतिशत मात्रा, एग्रीगेट यानी रोड़ी बजरी की होती है । ऊपर की परत, जिसका हिस्सा केवल पांच फीसदी रहता है, उसमें सीमेंट/बिटुमिनस रहता है । वैज्ञानिक रूप से प्रोसेस की गई स्टील स्लैग रोड, पारंपरिक निर्माण सामग्री की तुलना में महत्वपूर्ण लाभ प्रदान करती है । स्टील स्लैग रोड सामान्यत- 30 से 40 प्रतिशत अधिक लागत प्रभावी होती है । इसके अलावा पारंपरिक बिटुमिनस रोड की तुलना में तीन गुणा अधिक मजबूत होती है । पारंपरिक बिटुमिनस रोड, बहुत जल्द टूट जाती है । चार पांच वर्ष में तो इसकी लेयर बदलनी ही पड़ती है । अगर पानी ज्यादा समय तक खड़ा रहे तो सड़क टूट जाती है । दूसरी ओर, स्टील स्लैग रोड, पारंपरिक बिटुमिनस रोड से तीन गुणा अधिक चलती है ।

सुजलॉन एनर्जी के शेयर में लगातार आ रही गिरावट

नई दिल्ली, एजेंसी। सुजलॉन एनर्जी लिमिटेड के शेयरों में शुक्रवार को लगातार तीसरे कारोबारी सत्र में गिरावट देखी गई। यह करीब 3 प्रतिशत गिरकर 63.63 रुपये पर बंद हुआ। इस शेयर को लेकर एक्सपर्ट की अलग-अलग राय है। आइए जान लेते हैं कि शेयर का लेटेस्ट टारगेट प्राइस क्या है।

क्या है टारगेट प्राइस

बिजनेस टुडे की खबर में बोनान्जा के द्रुमिल विठलानी ने कहा- मई के अंतिम सप्ताह में सुजलॉन ने साप्ताहिक चार्ट पर एक ब्रेकआउट दिया, जो औसत से अधिक वॉल्यूम के साथ एक मजबूत तेजी के रुझान का संकेत देता है। जून में शेयर में कुछ

मुनाफावसूली देखी गई और इसका प्रतिरोध 74 रुपये पर है। शेयर को मौजूदा स्तरों पर रखा जा सकता है, जब तक कि यह 61 रुपये से ऊपर बना रहता है। रेलिगेयर ब्रोकिंग के रिटेल रिसर्च के रवि सिंह ने कहा कि यह शेयर तकनीकी रूप से कमजोर दिख रहा है और 62 रुपये के स्तर तक गिर सकता है, जिसका तत्काल प्रतिरोध 68 रुपये पर है। वहीं, आनंद राठी के जिगर एस पटेल ने कहा कि 62 रुपये पर समर्थन और 68 रुपये पर तत्काल प्रतिरोध देखा जा सकता है। निकट भविष्य में ट्रेडिंग रेंज 62 रुपये और 68 रुपये के बीच रह सकती है।

सुजलॉन को लेकर अपडेट

बता दें कि सुजलॉन एनर्जी ने हाल ही में शेयर बाजारों को सूचित किया कि मद्रास उच्च न्यायालय ने 21 जुलाई के एक आदेश में सीजीएसटी और केंद्रीय उत्पाद शुल्क के संयुक्त आयुक्त के पूर्व के निर्देश को रद्द कर दिया है। इसमें वित्त वर्ष 20-21 से वित्त वर्ष 22 के लिए जीएसटी फाइलिंग में अत्यधिक या अयोग्य इनपुट टैक्स क्रेडिट का आरोप लगाया गया था। बता दें कि सुजलॉन एनर्जी एक अग्रणी नवीकरणीय ऊर्जा समाधान प्रदाता है, जो मुख्य रूप से पवन टर्बाइनों के निर्माण में लगी हुई है। जून

विनिर्माण में 17.5 साल की रफ्तार

पीएमआई 59.2 पर; महंगाई-रोजगार की चुनौती बनी चिंता का विषय

नई दिल्ली, एजेंसी। देश की विनिर्माण गतिविधियां जुलाई में 17.5 वर्ष के शीर्ष पर पहुंच गई हैं। एसएंडपी ग्लोबल की ओर से जारी एचएसबीसी फ्लैश इंडिया मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई जुलाई में 59.2 पर पहुंच गया। खरीद प्रबंधक सूचकांक यानी पीएमआई जून में 58.4 पर था। दरअसल, यह उछाल, मज़बूत घरेलू और वैश्विक मांग के कारण विनिर्माण क्षेत्र में मजबूत वृद्धि का संकेत देता है।

विनिर्माण और सेवा दोनों का पीएमआई 60.7 पर पहुंच गया, जो एक साल से भी अधिक समय में सबसे तेज उछाल है। यह मांग में तेजी, तकनीकी निवेश और विस्तारित क्षमताओं के कारण संभव हुआ है। रोजगार में विशेष रूप से सेवा क्षेत्र में, मजबूत वृद्धि हुई है। यह दर्शाता है कि भारत के विनिर्माण और सेवा दोनों क्षेत्रों के विस्तार के साथ-साथ स्वस्थ रोजगार सृजन भी हो रहा है।

अगले 12 महीनें में उत्पादन वृद्धि में आशावादी

भारतीय कंपनियां अगले 12 महीने में उत्पादन वृद्धि के बारे में आशावादी बनी रहीं । कंपनियों का कहना है कि बढ़ती मांग, प्रौद्योगिकी में निवेश और विस्तारित क्षमताओं के कारण वृद्धि हो रही है । पीएमआई आंकड़ों से पता चला है कि भारत में वस्तु उत्पादकों ने सेवा प्रदाताओं की तुलना में उत्पादन में तेजी से वृद्धि दर्ज की है । इनकी वृद्धि की गति अप्रैल, 2024 के बाद से सबसे मजबूत हो गई है ।

सेवा क्षेत्र की गतिविधियों में मामूली नरमी- जुलाई के दौरान सेवा क्षेत्र की गतिविधियों में थोड़ी नरमी देखी गई । हालांकि ऐतिहासिक मानकों के अनुसार वृद्धि दर तेज रही । निजी क्षेत्र के परिचालन में सुधार जारी रहा । कुल बिक्री, निर्यात ऑर्डर और उत्पादन स्तर में तेज वृद्धि दिखाई दी । हालांकि कारोबारी विश्वास सकारात्मक बना रहा, लेकिन कुछ प्रतिस्पर्धा और महंगाई के दबाव को लेकर चिंतित होने के कारण यह लगभग ढाई साल के निचले स्तर पर आ गया ।

अपने कारोबार में 20000 करोड़ लगाएगी आईटीसी लिमिटेड, तगड़ा है फ्यूचर प्लान

नई दिल्ली, एजेंसी। सिगरेट से होटल तक के कारोबार से जुड़ी आईटीसी लिमिटेड का फ्यूचर प्लान बेहद जबरदस्त है। दरअसल, यह समूह अलग-अलग क्षेत्रों में अपनी मैन्युफैक्चरिंग उपस्थिति बढ़ाने के लिए मध्यम अवधि में 20,000 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। कंपनी के चेयरमैन संजीव पुरी ने वार्षिक आम बैठक में यह जानकारी दी।

क्या है पूरा प्लान- संजीव पुरी ने कहा- भारतीय अर्थव्यवस्था की संभावनाओं से उत्साहित होकर हमने हाल के दिनों में करीब 4,500 करोड़ रुपये के व्यय के साथ आठ विश्व स्तरीय मैन्युफैक्चरिंग फैसलिटीज में निवेश किया है। पुरी ने बिना कोई विस्तृत जानकारी दिए कहा कि आईटीसी की योजना मध्यम अवधि में विभिन्न व्यवसायों में 20,000 करोड़ रुपये निवेश करने की है। बता दें कि उन्होंने 2024 की वार्षिक आम बैठक (एजीएम) के भाषण में इस निवेश योजना की घोषणा की थी। यह निवेश दैनिक उपभोग की वस्तुओं के जुड़े क्षेत्र, पैकेजिंग और अन्य क्षेत्रों में हो सकता है। पुरी ने कहा कि कंपनी अपनी भारत पहले रणनीति को प्राथमिकता देगी। विदेशों में महत्वपूर्ण प्रभाव डालने से पहले घरेलू उपस्थिति को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित करेगी।

5 साल में 10 गुना बढ़ा टाटा संस का मुनाफा

ग्रुप की इस लिस्टेड कंपनी को सबसे ज्यादा कमाई

नई दिल्ली, एजेंसी। टाटा समूह की प्रमुख निवेश होल्डिंग कंपनी टाटा संस का नेट प्रॉफिट पिछले पांच वर्षों में लगभग दस गुना बढ़ गया है। इस कंपनी का प्रॉफिट बढ़कर 2024-25 में 26,232 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। टाटा संस की ताजा वार्षिक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। कंपनी ने वित्त वर्ष 2019-20 में 2,680 करोड़ रुपये का प्रॉफिट दर्ज किया था। कंपनी का राजस्व वित्त वर्ष 2019-20 में 24,896 करोड़ रुपये से डेढ़ गुना होकर वित्त वर्ष 2024-25 में 38,835 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी की कुल संपत्ति भी तुलनात्मक अवधि में 45,586 करोड़ रुपये से लगभग साढ़े तीन गुना होकर 1,49,680 करोड़ रुपये पर पहुंच गई।

टाटा मोटर्स को सबसे ज्यादा कमाई

टाटा संस की 2024-25 की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार टाटा समूह का कुल राजस्व वित्त वर्ष 2024-25 में 15,34,341 करोड़ रुपये रहा, जबकि वित्त वर्ष 2019-20 में यह 7,89,057 करोड़ रुपये था । शेयर बाजार में लिस्टेड कंपनी टाटा मोटर्स ने 2024-25 में 4,45,939 करोड़ रुपये के साथ समूह में सबसे अधिक राजस्व अर्जित किया । इसके बाद टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और टाटा स्टील क्रमश- दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे ।

संजय कपूर के बाद

30000 करोड़ के साम्राज्य के उत्तराधिकारी पर विवाद

नई दिल्ली, एजेंसी। उद्योगपति संजय कपूर की पत्नी प्रिया सचदेव कपूर अब 30 हजार करोड़ रुपये के कारोबारी साम्राज्य को लेकर विवादों के केंद्र में हैं। संजय कपूर की मां रानी कपूर ने शुक्रवार को जब कंपनी की सालाना बैठक से पहले बोर्ड को एक पत्र लिखा तो सबका ध्यान प्रिया पर गया। रानी कपूर ने बताया कि सोना समूह के अधिकांश शेयरों में उनकी हिस्सेदारी है। उन्होंने आरोप लगाया कि बेटे की मौत के बाद उन्हें कुछ दस्तावेजों पर बिना जानकारी के हस्ताक्षर करने के लिए मजबूर किया गया। उन्होंने अपने पत्र में कुछ लोगों (संभवतः प्रिया) पर परिवार की ओर से झूठा प्रतिनिधित्व करने का आरोप लगाया।

प्रिया सचदेव कपूर कौन हैं

प्रिया का जन्म दिल्ली के एक कारोबारी परिवार में हुआ । उनके पिता अशोक

सचदेव एक ऑटोमोबाइल डीलर हैं । उन्होंने यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन (यूसीएल) से गणित और व्यापार प्रबंधन की पढ़ाई की और यूसीएलए में भी कुछ समय पढ़ाई की । शुरुआत में प्रिया ने मॉडलिंग से सुर्खियां बटोरीं । उन्होंने 2005 की बॉलीवुड फिल्म नील एन निक्की में एक छोटा सा रोल भी किया । उनकी लिंक्डइन प्रोफाइल के मुताबिक, वह इस समय सोना कॉमस्टार में गैर-कार्यकारी निदेशक हैं और कपूर परिवार की निवेश कंपनी ऑरियस इंवेस्टमेंट की निदेशक हैं ।

● **क्रेडिट सुइस फर्स्ट बॉस्टन से की पेशेवर करियर की शुरुआत-** उन्होंने पेशेवर करियर की शुरुआत लंदन में क्रेडिट सुइस फर्स्ट बॉस्टन के मर्जर एंड एक्विजिशन डिवीजन से की । इसके बाद भारत लौटकर उन्होंने ऑटोमोबाइल रिटेल, इंश्योरेंस, फैशन और ई-कॉमर्स जैसे क्षेत्रों में काम किया । बाद में उन्होंने टीएसजी इंटरनेशनल मार्केटिंग प्राइवेट लिमिटेड नाम की कंपनी शुरू की और रॉक एन शॉप नाम के लग्जरी ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म की सह-संस्थापक रहीं ।

अमेरिकी होटल कारोबारी से हुई थी पहली शादी

प्रिया की निजी जिंदगी भी सुर्खियों में रही है । उनकी पहली शादी अमेरिकी होटल कारोबारी विक्रम चटवाल से हुई थी । यह रिश्ता शुरुआत में अच्छा चल रहा था, लेकिन 2025 के मई महीने में एक इंटरव्यू में प्रिया ने कहा कि गर्भावस्था के दौरान ही उन्हें इस रिश्ते की सच्चाई समझ आ गई थी । उन्होंने बताया कि 15 से 20 हफ्तों की गर्भावस्था के दौरान उन्हें अहसास हुआ कि यह रिश्ता वैसा नहीं है जैसा उन्होंने सोचा था । प्रिया के मुताबिक, उन्होंने अपनी होने वाले बच्चे की भलाई के लिए इस रिश्ते को बचाने की कोशिश की, लेकिन पांच साल बाद अलग होने का फैसला लिया । बच्चे की कस्टडी को लेकर लंबा मुकदमा चला जिसके बाद 2011 में उनका तलाक हुआ ।

फुटबॉल

मेसी एक मैच के लिए निलंबित, उनकी टीम इंटर मियामी ने विरोध जताया

फोर्ट लॉडरडेल (अमेरिका), एजेंसी। इंटर मियामी के मालिक जॉर्ज मास ने शुक्रवार को एक मैच के निलंबन के बारे में कहा, यह उनकी समझ से परे है कि प्रदर्शनी मैच में भाग न लेने पर सीधे निलंबन क्यों हो जाता है। लियोनेल मेसी और जोर्डी अल्बा को ऑल स्टार मैच में भाग नहीं लेने के कारण मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) ने एक मैच के लिए निलंबित कर दिया है जिसका उनके क्लब इंटर मियामी ने विरोध किया है। इंटर मियामी के मालिक जॉर्ज मास ने शुक्रवार को एक मैच के निलंबन के बारे में कहा, यह उनकी समझ से परे है कि प्रदर्शनी मैच में भाग न लेने पर सीधे निलंबन क्यों हो जाता है। मेसी और अल्बा ने एमएलएस और मैक्सिको के लीगा एमएक्स के बीच मैच के लिए टीम में चुने जाने के बावजूद हिस्सा नहीं लिया था। मेसी व्यस्त कार्यक्रम के बीच आराम करने के लिए नहीं खेले और अल्बा अपनी पिछली चोट से जूझ रहे हैं।

भारतीय खिलाड़ी ने संन्यास की कर दी घोषणा, इंटरनेशनल क्रिकेट में बनाए कुल इतने रन

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय महिला टीम की स्टार बल्लेबाज वेदा कृष्णमूर्ति ने इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा की है। लेकिन उन्होंने कहा है कि वह किसी दूसरी भूमिका में खेल के साथ जुड़ी रहेंगी। कर्नाटक के पूर्व क्रिकेटर अर्जुन होयसला से शादी करने वाली 32 साल की वेदा आखिरी बार 2020 में मेलबर्न में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ महिला टी20 इंटरनेशनल मैच के दौरान देश के लिए खेली थीं। वेदा कृष्णमूर्ति अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के लिए मशहूर रही हैं। उन्होंने पिछले साल वुमेंस प्रीमियर लीग में गुजरात जायंट्स के लिए खेला था। वह कर्नाटक और रेलवे की कप्तानी कर चुकी हैं। महिला टी-20 मैचों में किसी गैर-विकेटकीपर द्वारा सबसे ज्यादा कैच लेने का संयुक्त रिकॉर्ड उनके नाम है। वेदा पहले से ही कमेंट्री कर रही हैं। वेदा ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा है कि एक छोटे शहर की बड़े सपने रखने वाली लड़की से लेकर गर्व से भारतीय टीम की जर्सी पहनने तक, क्रिकेट ने मुझे जो भी सबक और यादें दी हैं, उनके लिए आभारी हूं।

महज 37 गेंदों में टी20 शतक टिम डेविड ने रचा इतिहास

नई दिल्ली, एजेंसी। वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 सीरीज के तीसरे मुकाबले में टिम डेविड ने तूफानी शतक जड़ते हुए इतिहास रच दिया। टिम डेविड ने सेंट किट्स में महज 37 गेंदों में शतक पूरा किया। इसी के साथ वह टी20 फॉर्मेट में सबसे तेज शतक लगाने वाले ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज बन गए। यह टिम डेविड का अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहला शतक रहा। वार्नर पार्क में टिम डेविड ने 16 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया, जिसके साथ वह ऑस्ट्रेलिया के लिए सबसे तेज टी20 फिफ्टी जड़ने वाले बल्लेबाज बन गए। इससे पहले यह रिकॉर्ड मार्कस स्टोइनिस के नाम था, जिन्होंने टी20 वर्ल्ड कप-2022 में श्रीलंका के खिलाफ 17 गेंदों में अर्धशतक जमाया था। इसके बाद टिम डेविड ने 37 गेंदों में शतक जड़ते हुए जोश इंग्लिस के रिकॉर्ड को तोड़ दिया। इंग्लिस ने छह सितंबर 2024 को स्कॉटलैंड के विरुद्ध 43 गेंदों में टी20 शतक पूरा किया था। टिम डेविड के टी20 रिकॉर्ड को देखें, तो दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने 56 मुकाबलों में 36.19 की औसत के साथ 782 रन बनाए, जिसमें एक शतक के अलावा छह अर्धशतक भी शामिल हैं। मुकाबले की बात करें, तो टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज की टीम ने चार विकेट खोकर 214 रन बनाए। मेजबान टीम के लिए शाई होप ने कप्तानी पारी खेलते हुए 57 गेंदों में नाबाद 102 रन बनाए, जिसमें छह छक्के और आठ चौके शामिल रहे।

इसके जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने 16.1 ओवरों में जीत दर्ज कर ली। टिम डेविड को नाबाद शतकीय पारी के चलते प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया, जिन्होंने मिचेल ओवन के साथ पांचवें विकेट के लिए 128 रन की अटूट साझेदारी की। ऑस्ट्रेलिया ने पांच मुकाबलों की टी20 सीरीज का शुरुआती मुकाबला तीन विकेट से अपने नाम किया था, जिसके बाद उसने दूसरे टी20 मैच को आठ विकेट से जीता। 3-0 से लीड के साथ ऑस्ट्रेलिया सीरीज पर अपना कब्जा कर चुका है।

अरविंद चितांबरम बने 58वें बील शतरंज महोत्सव के उपविजेता

बील ,स्विट्ज़रलैंड, एजेंसी। 58वें बील शतरंज महोत्सव के ग्रांडमास्टर ट्रायथलॉन में स्लोवेनिया के ग्रांडमास्टर व्लादिमीर फेडोसीव ने खिताब अपने नाम कर लिया है ।अंतिम राउंड में फेडोसीव ने यूएई के ग्रांड मास्टर सालेम सालेह को हराया, जबकि भारत के ग्रांडमास्टर अरविंद चितांबरम ने विश्व रैपिड चैंपियन रूस के वोलोदार मुरजिन से ड्रॉ खेला। दोनों खिलाड़ियों ने समान 28.5 अंक बनाए, पर फेडोसीव ने फ्रीस्टाइल शतरंज स्पर्धा में बेहतर प्रदर्शन के आधार पर टाई-ब्रेक से खिताब जीता। अरविंद को दूसरा स्थान मिला। सालेम सालेह 24.5 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहे। इससे पहले चैलेंजर्स वर्ग में ग्रीस के ग्रांडमास्टर निकोलस थियोडोरू ने एक राउंड पहले ही खिताब अपने नाम कर लिया था। उन्होंने कुल 33.5 अंक हासिल किए। आर्मेनिया के अराम हाकोब्यान 28.5 अंकों के साथ दूसरे और कजाकिस्तान के रिनात जुमाबायेव 20 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहे।

आईपीएल ने सिर्फ मेरी ही नहीं, बल्कि हर क्रिकेटर की मदद की: ड्वेन ब्रावो

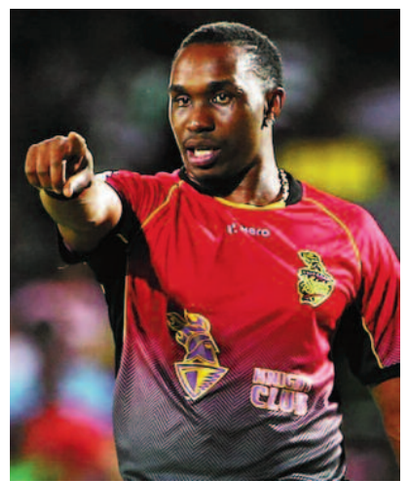

नई दिल्ली, एजेंसी। वेस्टइंडीज के पूर्व ऑलराउंडर ड्वेन ब्रावो ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) को अपने करियर और आधुनिक क्रिकेट के स्वरूप को बदलने वाला एक शानदार मंच बताया है। अपनी आईपीएल जर्नी को याद करते हुए ब्रावो ने कहा कि यह लीग न केवल उन्हें, बल्कि दुनियाभर के क्रिकेटर्स को आर्थिक रूप से और स्किल्स को डेवलप करने के लिहाज से जबरदस्त फायदा पहुंचा चुकी है। आईपीएल ने पेशेवर क्रिकेट की दुनिया को एक नया आयाम दिया है।

ब्रावो ने आईएएनएस से कहा, आईपीएल ने सिर्फ मेरी ही नहीं, बल्कि आज के हर क्रिकेटर की मदद की है, चाहे वह आर्थिक रूप से हो, या स्किल के स्तर पर। मुझे गर्व है कि मैंने दो सबसे सफल फ्रेंचाइजी के लिए खेला और मुझे सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में गिना जाता है। ब्रावो ने चेन्नई सुपर किंग्स के लिए एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में लंबे समय तक शानदार प्रदर्शन किया। वह मुंबई इंडियंस का भी हिस्सा रह चुके हैं। आईपीएल इतिहास के सबसे सफल विदेशी खिलाड़ियों में शामिल ब्रावो अपनी खास शैली, डेथ ओवर की गेंदबाजी में महारत और शानदार खेल के लिए जाने जाते हैं। 2025 के संस्करण में ब्रावो ने कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के लिए मेंटर की भूमिका भी निभाई थी। उन्होंने टी20 क्रिकेट में अपनी एक अलग पहचान बनाई, जो उन्हें इस फॉर्मेट का एक चहेता खिलाड़ी बनाती है।

आईपीएल में ड्वेन ब्रावो के सफल करियर ने वेस्टइंडीज के कई युवाओं को भी प्रेरित किया है। उनके इस सफर ने कैरेबियाई खिलाड़ियों को आत्मविश्वास के साथ फ्रेंचाइजी क्रिकेट अपनाने के लिए प्रेरित किया।

फिलहाल, ब्रावो वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स (डब्ल्यूसीएल) में वेस्टइंडीज चैंपियंस टीम का हिस्सा हैं, उनका क्रिकेट सफर अभी भी जारी है, लेकिन आईपीएल के प्रति लगाव अब भी उतना ही गहरा है। ड्वेन ब्रावो ने कहा, आईपीएल से मुझे अनुभव और दोस्त मिले हैं।

स्टीव स्मिथ की इंग्लैंड क्रिकेट टीम को चेतावनी

मुश्किल समय के लिए तैयार रहें

लंदन, एजेंसी। इंग्लैंड के बल्लेबाज घरेलू मैदान पर सपाट पिचों पर अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं, लेकिन इस साल के अंत में होने वाली एशेज सीरीज में बेन स्टोक्स की अगुवाई वाली टीम के ऑस्ट्रेलिया दौरे पर एक बिल्कुल अलग चुनौती होगी और दिग्गज बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने उन्हें चेतावनी दी है। भारत-इंग्लैंड के बीच मौजूदा श्रृंखला में बल्लेबाजी की सहजता बहस का विषय बन गई है और स्मिथ का मानना है कि ब्रिटिश बल्लेबाजों को बल्लेबाजी के अनुकूल पिचों की आदत नहीं डालनी चाहिए। दोनों टीमें कम से कम एक बार एक पारी में 500 से अधिक रन बनाने में सफल रही हैं और लगातार 400 से अधिक रन बनाए हैं। स्मिथ के हवाले से एक रिपोर्ट में कहा गया, उनके (इंग्लैंड के) बल्लेबाजों को इंग्लैंड में पिछले कुछ समय से देखी जा रही पिचों की तुलना में थोड़ी अलग चुनौती मिलेगी, जो काफी सपाट और बल्लेबाजी के लिए अच्छी रही हैं। स्मिथ ने कहा, पिछले तीन-चार सालों में ऑस्ट्रेलिया के विकेट शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों के लिए काफी मुश्किल रहे हैं। यह उनके लिए एक अच्छी चुनौती होगी। लेकिन यह एक शानदार सीरीज होने वाली है। एशेज की तैयारी के तहत स्मिथ इंग्लैंड और भारत के बीच होने वाले मुकाबले पर कड़ी नजर रख रहे हैं। उन्होंने कहा, मैं भारत और इंग्लैंड की सीरीज देख रहा हूं और वहां शानदार क्रिकेट खेला गया है, इसलिए मुझे लगता है कि इस साल एशेज बेहद शानदार होने वाली है।

स्मिथ को लगता है कि इंग्लैंड ने अपने आक्रामक रवैये पर लगाम लगा दी है और दर्शकों का मनोरंजन करने की बजाय मैच जीतने पर ज़्यादा ध्यान केंद्रित कर रहा है। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर ने कहा, पिछले कुछ हफ़्तों में उन्होंने परिस्थितियों के हिसाब से थोड़ा अलग खेलना शुरू कर दिया है, बजाय इसके कि वे मैदान पर जाकर वैसा मनोरंजन करने की कोशिश करें जैसा वे कहते थे कि वे बनना चाहते हैं। वे अब असल में मैच जीतने की कोशिश कर रहे हैं, जो शायद उनकी पिछली टिप्पणियों से अलग है। ऑस्ट्रेलिया की टी20 टीम इस समय वेस्टइंडीज के खिलाफ पांच मैचों की सीरीज खेल रही है, लेकिन स्मिथ, जो आगामी हंड्रेड टूर्नामेंट में वेल्श फायर की कप्तानी करेंगे, इंग्लैंड में हैं। हालांकि उन्होंने इस साल फरवरी में चैंपियंस ट्रॉफी के बाद वनडे से संन्यास ले लिया था, लेकिन स्मिथ 2028 लॉस एंजिल्स खेलों तक, जहां क्रिकेट की वापसी होगी, सबसे छोटे प्रारूप में खेलना जारी रखना चाहते हैं ताकि ओलंपियन बन सकें।

स्मिथ ने कहा, मैंने वनडे क्रिकेट खेलना बंद करने का फैसला किया ताकि मैं और अधिक फ्रेंचाइजी के लिए खेल सकूं और ओलंपिक टीम में जगह बना सकूं। इसलिए दुनिया भर में और अधिक छोटे प्रारूप के टूर्नामेंट खेलना फायदेमंद ही होगा। यह मेरे लिए एक लंबा सफर रहा है, और मैं लंबे समय से ऐसा कर रहा हूं। मैं अभी भी इसका आनंद ले रहा हूं, खासकर छोटे प्रारूपों का और मैं अपना नाम वहां दर्ज कराना चाहता हूं।

वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए टीम का ऐलान, बाबर आजम बाहर

लाहौर, एजेंसी। बांग्लादेश के खिलाफ 3 टी20 मैचों की सीरीज 2-1 से गंवाने के बाद पाकिस्तान क्रिकेट टीम को वेस्टइंडीज के खिलाफ 3 टी20 और 3 वनडे मैचों की सीरीज खेलनी है। पीसीबी ने दोनों सीरीज के लिए पाकिस्तान टीम की घोषणा कर दी है। टी20 टीम से एक बार फिर पूर्व कप्तान बाबर आजम और विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान को बाहर रखा गया है। वहीं, शाहीन अफरीदी की टी20 टीम में वापसी हुई है। अफरीदी के साथ ही हारिस रऊफ और हसन अली भी टी20 टीम में लौट आए हैं। इन तीनों की वापसी से पाकिस्तान की तेज गेंदबाजी मजबूत होगी। बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान को टी20 टीम से बाहर रखना इस बात का स्पष्ट संकेत है कि पीसीबी छोटे फॉर्मेट में इनसे आगे बढ़ने की सोच चुकी है। बाबर आजम और मोहम्मद रिजावन ने अपना आखिरी अंतरराष्ट्रीय टी20 मैच 14 दिसंबर 2024 को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेला था। सलमान अली आगा टी20 में कप्तान हैं तो वनडे में उपकप्तानहैं। वनडे में मोहम्मद रिजवान की कप्तानी बरकरार है। फखर जमान वनडे और टी20 दोनों ही सीरीज में शामिल हैं। बांग्लादेश के खिलाफ टी20 सीरीज में प्रभावशाली प्रदर्शन करने वाले बाएं हाथ के तेज गेंदबाज सलमान मिर्जा और दाएं हाथ के गेंदबाज अहमद दानियाल को छोटे फॉर्मेट से बाहर कर दिया गया है। वेस्टइंडीज और पाकिस्तान के बीच 3 टी20 मैचों की सीरीज 1 से 4 अगस्त के बीच फ्लोरिडा में खेली जानी है। वहीं, दोनों देशों के बीच 8 से 12 अगस्त तक वनडे सीरीज त्रिनिदाद एंड टोबैगो के ब्रायन लारा क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा।

बेंगलुरु का चिन्नास्वामी स्टेडियम सेफ नहीं!

जांच रिपोर्ट में बड़ा खुलासा, महिला वर्ल्ड कप और IPL मैचों पर संकट

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की खिताबी जीत के बाद बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में विक्ट्री परेड हुई थी. विक्ट्री परेड के दौरान ही चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर भगदड़ मच गई थी, जिसमें 11 लोग मारे गए थे. जबिक 50 से अधिक लोग घायल हो गए थे. चिन्नास्वामी भगदड़ की जांच के लिए जस्टिस जॉन माइकल डीकुन्हा की अध्यक्षता में एक आयोग का गठन किया गया था. इस न्यायिक आयोग की रिपोर्ट को कर्नाटक कैबिनेट ने हाल ही में मंजूरी दी थी. न्यायिक आयोग की रिपोर्ट में कुछ चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं. रिपोर्ट में बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम को बुनियादी रूप से असुरक्षित करार दिया गया है. रिपोर्ट में कहा गया है कि चिन्नास्वामी स्टेडियम की मौजूदा संरचना बड़े आयोजनों के लिए अनुपयुक्त और खतरनाक है. स्टेडियम में ना तो पर्याप्त एंट्री/एग्जिट गेट्स हैं, ना ही इस स्टेडियम के पास अंतरराष्ट्रीय स्तर का आपातकालीन निकासी प्लान है. स्टेडियम के आसपास की सड़कें काफी व्यस्त हैं. साथ ही पार्किंग के लिए भी सीमित जगह है.

वर्ल्ड कप और आईपीएल मैचों पर संशय!

चिन्नास्वामी स्टेडियम में महिला वर्ल्ड कप 2025 के कम से कम 4 मुकाबले होने हैं. अगर पाकिस्तानी टीम इस टूर्नामेंट के फाइनल में नहीं पहुंचती है तो खिताबी मुकाबला भी यहीं खेला जाएगा. साथ ही चिन्नास्वामी स्टेडियम अगले साल आईपीएल (इंडियन प्रीमियर लीग) और डब्ल्यूपीएल (वूमेन्स प्रीमियर लीग) मैचों की मेजबानी करने वाला है.

सेमीफाइनल में एम्मा रादुकानू और लेयला फर्नांडीज सेमीफाइनल में

वाशिंगटन, एजेंसी। मुबाडाला सिटी डीसी ओपन में एम्मा रादुकानू ने शानदार फॉर्म जारी रखते हुए तीन साल बाद किसी डब्ल्यूटीए हार्ड कोर्ट सेमीफाइनल में प्रवेश किया। ब्रिटेन की इस खिलाड़ी ने मारिया सक्कारी को दो घंटे दस मिनट तक चले संघर्षपूर्ण मुकाबले में 6-4, 7-5 से हराया, हालांकि मैच की शुरुआत में वह पिछड़ गई थीं। यह वॉशिंगटन में राडुकानू का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा। इसके साथ ही सक्कारी के खिलाफ उनका रिकॉर्ड 4-0 हो गया है। अब राडुकानू का सामना रूस की अन्ना कालिंस्काया से होगा, जिन्होंने क्लारा टॉसन को हराकर अंतिम चार में जगह बनाई।डब्ल्यूटीए में, कनाडा की लेयला फर्नांडीज ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए टेलर टाउनसेंड को 6-4, 7-6(4) से हराया। फर्नांडीज ने दूसरे सेट में पिछड़ने के बाद वापसी की और एक सेट प्वाइंट बचाकर 2021 यूएस ओपन में उपविजेता रहने के बाद अपने सबसे बड़े हार्ड कोर्ट सेमीफाइनल में प्रवेश किया। अब उनका सामना तीसरी वरीयता प्राप्त एलेना रयबाकिना से होगा, जिन्होंने मैग्डेलेना फ्रेच को सीधे सेटों में आसानी से हराया। पुरुष वर्ग में मुबाडाला सिटी डीसी ओपन का दिन भी जबरदस्त एक्शन से भरा रहा, जहां दो खिलाड़ियों ने सेमीफाइनल में धमाकेदार एंट्री की।

मैं यहाँ फिट होने नहीं, बल्कि मार्केट डिसरप्ट करने आया हूँ: सिद्धांत चतुर्वेदी

'धड़क 2' के साथ, जहाँ वो तृप्ति डिमरी के साथ नजर आएंगे, एक बार फिर वो एक ऐसी भावनात्मक दुनिया में कदम रख रहे हैं जो अब तक अनछुई रही है – और उन्हें इसका कोई पछतावा नहीं। पारंपरिक बॉलीवुड ढांचे से हटकर किरदार चुनने के लिए पहचाने जाने वाले सिद्धांत कहते हैं कि उन्हें कभी खुद को दोहराने में दिलचस्पी नहीं रही।अगर लोगों को मेरा कोई एक रोल पसंद आया, इसका मतलब ये नहीं कि मैं वही करता रहूं, वो कहते हैं।असली मजा है खुद को बदलने में, और हर बार खुद को एक नई चुनौती देने में। एक ऐसी इंडस्ट्री में जहाँ अभिनेता अक्सर अपनी एक इमेज के इर्द-गिर्द मार्केट बनाते हैं, सिद्धांत साफ कर देते हैं कि वो पैटर्न्स तोड़ने आए हैं।मैं यहाँ मार्केट बनाए रखने नहीं, उसे हिलाने आया हूँ, वो कहते हैं।मैं अलग-अलग उम्र के लोगों, अलग-अलग इलाकों और सोच रखने वाले दर्शकों से जुड़ना चाहता हूँ। तभी मैं सिर्फ एक अभिनेता नहीं, एक इंसान के तौर पर भी आगे बढ़ता हूँ। शाज़िया इक़बाल द्वारा निर्देशित धड़क 2 एक ऐसी कहानी है जो प्यार और बगावत की जड़ों से जुड़ी है – समाज में गहराई तक फैली असमानताओं को छूती है। और सिद्धांत, अपनी कच्ची स्क्रीन प्रेजेंस और गहरी भावनात्मक पकड़ के साथ, इस प्रेम कहानी में एक नई तीव्रता लाने को तैयार हैं।

क्या ऋतिक-जूनियर एनटीआर की 'वॉर 2' में नजर आएंगी आलिया भट्ट?

शुक्रवार को ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर की बहुप्रतीक्षित फिल्म वॉर 2 का ट्रेलर रिलीज हुआ। अब फिल्म के रिलीज से पहले आलिया भट्ट ने संकेत दिया कि वो भी वॉर 2 में बतौर कैमियो नजर आ सकती हैं। ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर अभिनीत वॉर 2 का दर्शकों को बड़ी बेसब्री से इंतजार है, जिसका बीते शुक्रवार को ट्रेलर रिलीज हुआ। अब फैंस को फिल्म के रिलीज होने का इंतजार है। लेकिन फिल्म रिलीज से पहले एक और बड़ी अपडेट आ रही है, जिसमें बॉलीवुड अभिनेत्री आलिया भट्ट बतौर कैमियो नजर आ सकती हैं। इसकी जानकारी उन्होंने खुद दी है। आइए जानते हैं एक्ट्रेस ने क्या कहा। अभिनेत्री आलिया भट्ट ने अपने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी शेयर की है, जिसमें उन्होंने आगामी फिल्म वॉर 2 का ट्रेलर शेयर किया है। स्टोरी के कैप्शन में एक्ट्रेस ने लिखा, 'मजेदार, 14 तारीख को मेरे नजदीकी सिनेमाघरों में मिलते हैं।' इस कैप्शन में आलिया ने मुख्य कलाकारों ऋतिक रोशन, जूनियर एनटीआर, कियारा आडवाणी और निर्देशक अयान मुखर्जी को भी टैग किया है।

फैशन को लेकर बेफिक्र रणदीप हुड्डा बोले, कपड़े नहीं, अंदाज मायने रखता है

बॉलीवुड एक्टर-फिल्ममेकर रणदीप हुड्डा ने कहा कि वह फैशन के बारे में ज्यादा नहीं सोचते और अक्सर जो कपड़ा सबसे पहले दिखता है वही पहन लेते हैं। समाचार एजेंसी को दिए इंटरव्यू में रणदीप से पूछा गया, वह अपने फैशन फिलॉसफी को कैसे बयां करते हैं? इस सवाल का जवाब देते हुए रणदीप ने कहा, मेरे लिए ये सब मायने नहीं रखता और मैं इन सबके बारे में ज्यादा सोचता भी नहीं हूं। मुझे अलमारी में जो पहले दिख जाता है, मैं उसे पहन लेता हूं। 48 साल के इस अभिनेता का मानना है कि स्टाइल कपड़ों में नहीं बल्कि नजरिए में होता है। उन्होंने कहा कि अगर आपके अंदर आत्म आत्मविश्वास है, तो आप कुछ भी आसानी से पहनो, अच्छा ही लगेगा। उन्होंने कहा, शायद इसीलिए मेरा लुक थोड़ा रफ लगता है। मेरे ख्याल से कपड़े पहनने या चुनने में थोड़ी बेफिक्री होनी चाहिए, बहुत ज्यादा परफेक्ट या बनावटी नहीं होना चाहिए। सरबजीत फेम अभिनेता ने कहा, मुझे लगता है कि यह सब आपके व्यवहार पर निर्भर करता है, न कि इस पर कि आपने क्या पहना है। अगर आपका व्यवहार सही है, तो आप कुछ भी पहनो, अच्छा ही लगता है। रणदीप अपकमिंग अमेरिकी एक्शन एडवेंचर कॉमेडी फिल्म मैचबॉक्स में नजर आएंगे। यह फिल्म इसी नाम के मशहूर टॉय ब्रांड पर आधारित है, और इसमें जॉन सीना, जेसिका बील, सैम रिचर्डसन, आर्टुरो कास्त्रो, टेयोना पैरिस, रणदीप, दनाई गुरिरा, और कोरी स्टोल भी नजर आएंगे। यह फिल्म 2026 में रिलीज होने वाली है। रणदीप हुडा के पास 'ऑपरेशन खुकरी' नामक एक युद्ध ड्रामा भी है। रणदीप ने मेजर जनरल राजपाल पुनिया और दामिनी पुनिया की किताब 'ऑपरेशन खुकरी- द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ द इंडियन आर्मीज ब्रेवेस्ट पीसकीपिंग मिशन अब्रॉड' के आधिकारिक फिल्म अधिकार हासिल कर लिए हैं। फिल्म 'ऑपरेशन खुकरी' 2000 की वास्तविक घटनाओं को पर्दे पर लाएगी, जब पश्चिम अफ्रीका के सिएरा लियोन में विद्रोही बलों ने 233 भारतीय सैनिकों को बंधक बना लिया था।

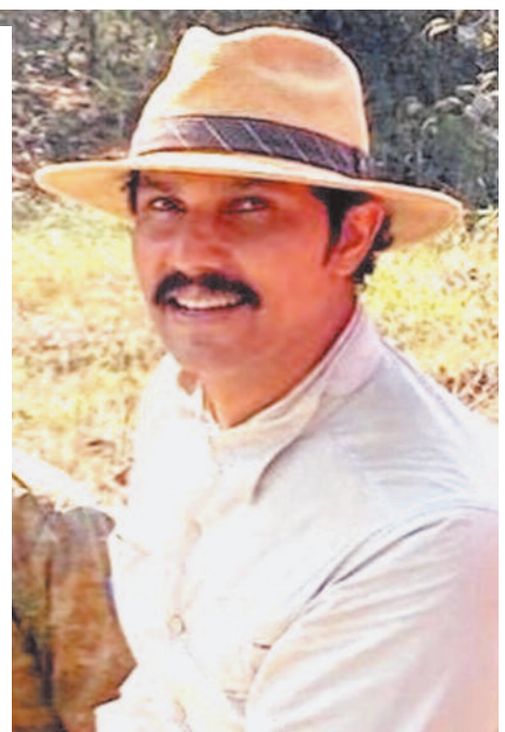

सुष्मिता सेन की युवाओं से अपील– सपने देखें पर हिम्मत भी जरूरी

पूर्व मिस यूनिवर्स और अभिनेत्री सुष्मिता सेन ने इंडियाज इंटरनेशनल मूवमेंट टू यूनाइट नेशंस (आईआईएमयूएन) में युवाओं को संबोधित करने के लिए अपनी कृतज्ञता व्यक्त की।

सुष्मिता सेन ने इंस्टाग्राम पर अपनी लेटेस्ट तस्वीरें शेयर कीं, जिसमें वह ब्लैक ड्रेस में पोज देती नजर आईं। उन्होंने कैप्शन में लिखा, निमंत्रण मिलना सम्मान है, प्रेरित करना जिम्मेदारी। आईआईएमयूएन आपके जोश, सवालों और भविष्य के लिए अटूट आशा के लिए धन्यवाद। उन लोगों के बीच होना खुशी की बात थी, जो सिर्फ सपने नहीं देखते, बल्कि हिम्मत भी दिखाते हैं। अडिग रहें, विनम्र रहें। सुष्मिता ने छात्रों से कहा, लोग आपको खूबसूरत कहेंगे, लेकिन यह सिर्फ शारीरिक सुंदरता नहीं है। अगर कोई चीज आपको आत्मविश्वास देती है, तो उसे अपनाएं। यह आपका जीवन और आपकी पहचान है। खुद को स्वीकार करें, ताकि आप दूसरों का आलोचनात्मक नजरिए से मूल्यांकन न करें। सुष्मिता सेन 15 जुलाई को बांद्रा में आयोजित आईआईएमयूएन की 10वीं रोल मॉडल सीरीज में हिस्सा लिया था। इस कार्यक्रम का संचालन संगठन के संस्थापक ऋषभ शाह ने किया। इवेंट में सुष्मिता सेन के साथ अभिनेत्री विद्या बालन और पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी भी शामिल हुईं। वर्कफ्रंट की बात करें तो सुष्मिता की वेब सीरीज आर्या काफी हिट रही है।

सोनू सूद ने अभिनेता फिश वेंकट के परिवार की मदद की, कहा- आगे भी करेंगे सपोर्ट

सोनू सूद ने साउथ के अभिनेता फिश वेंकट के निधन के बाद उनके परिवार की मदद की है। उन्होंने उनसे फोन पर बात भी की है। अभिनेता सोनू सूद लोगों की मदद करने के लिए जाने जाते हैं। एक बार फिर उन्होंने अपनी दरियादिली दिखाई है। उन्होंने तेलुगु अभिनेता वेंकट राज उर्फ फिश वेंकट के परिवार वालों की मदद की है। उन्होंने परिवार वालों को डेढ़ लाख रुपये भेजे हैं। फिश वेंकट, का 18 जुलाई को हैदराबाद में गुर्दे की बीमारी के चलते निधन हो गया था।

तेलुगु अभिनेता 53 वर्ष के थे और आईसीयू में भर्ती होने के दौरान डायलिसिस करवा रहे थे। उनका परिवार उनके किडनी ट्रांसप्लांट के लिए आर्थिक मदद मांग रहा था। उन्हें लगभग 50 लाख रुपये की आवश्यकता थी। दुर्भाग्य से, पैसे जुटाने से पहले ही वेंकट का निधन हो गया।

सोनू सूद ने वेंकट के परिवार की मदद की

वेंकट के निधन की खबर सुन कर अभिनेता सोनू सूद वेंकट के परिवार की मदद के लिए आगे आए। उन्होंने तुरंत उनके परिवार को सहायता के तौर पर 1.50 लाख रुपये ट्रांसफर किए। सोनू सूद ने वेंकट की पत्नी और रिश्तेदारों से फोन पर बात भी की।

स्टंटमैन की सुरक्षा के लिए सुनील शेट्टी ने की खास मांग

अभिनेता सुनील शेट्टी ने हाल ही में वेब सीरीज हंटर सीजन 2 में शानदार एक्शन सीन से सुर्खियां बटोरी हैं। अभिनेता ने फिल्म इंडस्ट्री को आधिकारिक उद्योग का दर्जा देने और स्टंटमैन की सुरक्षा के लिए जरूरी कदम उठाने की मांग की है। अभिनेता ने समाचार एजेंसी के साथ खास बातचीत की। जिसमें उन्होंने कहा कि इंडस्ट्री को स्टंटमैन की सुरक्षा के लिए जरूरी कदम उठाना चाहिए। अभिनेता ने कहा, सबसे पहले फिल्म इंडस्ट्री को एक उद्योग के रूप में आधिकारिक मान्यता मिलनी चाहिए। इसे वही लाभ मिलने चाहिए जो बाकी इंडस्ट्री को मिलते हैं। जैसे बीमा (इंश्योरेंस) होना बहुत जरूरी है। साथ ही, स्टंट सिखाने के लिए प्रशिक्षण अकादमियों की जरूरत है। एक्शन डायरेक्टर्स के लिए लाइसेंस और सर्टिफिकेशन अनिवार्य करना चाहिए। इसके अलावा, स्टंट करते समय सुरक्षा उपकरणों का इस्तेमाल करना बहुत जरूरी है। उन्होंने यह भी कहा कि फिल्म की रिलीज डेट नजदीक होने की वजह से जल्दबाजी में शूटिंग करना गलत है और इसे बदलना चाहिए।

आरती सिंह ने बताया

क्यों चुना दीपक चौहान को अपना जीवनसाथी

टेलीविजन अभिनेत्री आरती सिंह ने सोशल मीडिया पर पति दीपक चौहान के लिए एक भावुक नोट साझा किया, जिसमें अभिनेत्री ने बताया कि दीपक चौहान को उन्होंने पति के रूप में क्यों चुना है। मायका फेम अभिनेत्री ने अपने और पति दीपक के साथ बिताए पलों को याद करते हुए इंस्टाग्राम पर तस्वीरें साझा की और इसके जरिए बताया कि उन्होंने दीपक को अपने पति के रूप में क्यों चुना। अभिनेत्री ने पिछले कुछ सालों में मिले प्यार, समर्थन और साथ के लिए आभार व्यक्त किया। अभिनेत्री ने तस्वीरें शेयर कर कैप्शन में लिखा, 24 जुलाई 2023, रात 10:43 बजे, दीपक चौहान का पहला मैसेज आया। अगले दिन, 25 जुलाई की सुबह, मैंने जवाब दिया, 'सोरी, मैं सो रही थी।' ये पहली और आखिरी बार था जब मैंने माफी मांगी, क्योंकि माफी मांगने से ज्यादा मैं अपनी गलतियों को सुधारने में विश्वास रखती हूं। यह सफर हमें दो साल बाद यहां ले आया। मैं आभारी हूं। बस एक गुजारिश है, कभी उन चीजों पर हंसने या जबरदस्ती प्रभावित होने की जरूरत नहीं जो आपको पसंद नहीं। लोग पति-पत्नी के जोक्स भेजते हैं, लेकिन मैंने तुम्हें चुना क्योंकि तुम अलग हो। मैंने तुममें वो देखा जो बाकी दुनिया में नहीं था। मैं वादा करती हूं कि मैं कुछ भी ऐसा नहीं करूंगी जो तुम्हें ठेस पहुंचाए। तुम भी ये वादा करो। तस्वीरों में, कपल कैमरे के सामने अलग-अलग तरह के पोज देते दिखाई दे रहे हैं। तस्वीर में, दीपक और आरती एक-दूसरे को देखते हुए पोज देते नजर आ रहे हैं। उत्तराखंड के पवित्र त्रियुगीनारायण मंदिर में दोबारा शादी करके उन्होंने फिर से 7 वचनों को पूरा किया।

आरती सिंह 25 अप्रैल को मुंबई के इस्कॉन मंदिर में बिजनेसमैन दीपक चौहान के साथ विवाह बंधन में बंध गई थी। वहीं, इस जोड़े ने शादी के 1 साल पूरे होने पर उत्तराखंड के पवित्र त्रियुगीनारायण मंदिर में दोबारा शादी की, दोनों ने फिर प्रतिज्ञाएं दोहराकर अपनी शादी की पहली सालगिरह मनाई थी।

अनुभवी कलाकारों की तुलना में

अनुभवी कलाकारों की तुलना में इंफ्लुएंसर्स को ज्यादा मौके मिलते हैं: समृद्धि शुक्ला

अभिनेत्री समृद्धि शुक्ला इन दिनों लोकप्रिय टीवी सीरियल ये रिश्ता क्या कहलाता है में अपने किरदार को लेकर सुर्खियों में हैं। अभिनेत्री ने डिजिटल क्रिएटर्स के बढ़ते प्रभाव के बारे में अपनी राय रखी। अभिनेत्री ने अकहा कि आज के मनोरंजन जगत में इंफ्लुएंसर्स को अनुभवी कलाकारों की तुलना में ज्यादा मौके मिलते हैं। अभिनेत्री नेबताया, इंफ्लुएंसर्स को मौके तो मिलते हैं, लेकिन वह इसे कितने अच्छे से उपयोग करते हैं, यह तो उनके काम से ही पता चलता है। अगर कोई इंफ्लुएंसर अभिनय में अच्छा है, तो ये अच्छी बात है लेकिन अगर आपका अभिनय उतना अच्छा नहीं है, तो शायद आपको फिर से सोचना चाहिए। यह एक बदलाव है जो मैं देख रही हूं। आज के दौर में दर्शक किस तरह के कंटेंट की ओर आकर्षित होते हैं, इस पर बात करते हुए अभिनेत्री ने बताया कि टीवी पर हम ऐसा अभिनय करते हैं जिससे दर्शक अपने आपको जोड़ पाएं। उन्होंने कहा, आजकल जो शो अच्छे चल रहे हैं, उनके किरदार काफी जाने पहचाने से लगते हैं। अगर ऐसी कहानी है जिसके किरदार उस पर परफेक्ट नहीं बैठ रहे हैं, भले ही वे मुख्य किरदार ही क्यों न हों, उनमें खामियां दिखने ही लगती हैं। समृद्धि ने यह भी बताया कि वह एक अभिनेत्री के रूप में नए-नए किरदारों में खुद को ढलते देखना चाहती हैं। वो हर जॉनर में खुद को साबित करना चाहती हैं। उन्हें थ्रिलर फिल्में देखना पसंद है, लेकिन रोमांटिक कॉमेडी उनकी पसंद है। फिर भी, वह भविष्य में रोम-कॉम किरदार निभाना चाहेंगी। उन्होंने कहा, मुझे थ्रिलर बहुत पसंद है और मैं ओटीटी पर थ्रिलर करना चाहूंगी। लेकिन मैं रोम-कॉम भी करना चाहूंगी, क्योंकि मुझे कॉमेडी करना बहुत अच्छा लगता है। समृद्धि शुक्ला वर्तमान में लोकप्रिय टीवी शो ये रिश्ता क्या कहलाता है में अभिरा पोद्दार की भूमिका निभा रही हैं। टीवी शो ये रिश्ता क्या कहलाता है लंबे समय से चलता आ रहा है। इस सीरियल का निर्माण राजन शाही के प्रोडक्शन हाउस डायरेक्टर कुट प्रोडक्शंस के तहत हो रहा है। इस सीरियल में रोहित पुरोहित और समृद्धि शुक्ला मुख्य भूमिका में हैं।

साभार एजेंसी